



विश्व केसरी

सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल अंडर-23 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप: कोमल ने जीता कांस्य... @ विचार आखिर हतियों को नियंत्रित करने में सऊदी अरब... @ व्यापार शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ बंद...

भारत ने मालदीव के 30 अरब रुपए की करेंसी स्वेप सुविधा को आगे बढ़ाने के अनुरोध को मंजूरी दी



एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत ने मालदीव सरकार के 30 अरब रुपए की करेंसी स्वेप सुविधा को आगे बढ़ाने के अनुरोध को मंजूरी दे दी है। यह फैसला भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति और द्वीपीय देश के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता के तहत लिया गया है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई।

भारत द्वारा यह सुविधा सार्क देशों के लिए करेंसी स्वेप व्यवस्था के ढांचे के तहत दी जा रही है। इस व्यवस्था पर अक्टूबर 2024 में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जु की भारत की राजकीय यात्रा के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और मालदीव मौद्रिक प्राधिकरण के बीच हस्ताक्षर किए गए थे। इस सुविधा के तहत 30 अरब रुपए की पहली राशि इस साल 23 अप्रैल को मालदीव सरकार को दी गई थी। करेंसी स्वेप व्यवस्था के तहत मालदीव को भारतीय रुपए उपलब्ध होते हैं, जिससे जरूरत पड़ने पर उसे नकदी की उपलब्धता और वित्तीय स्थिरता बनाए रखने में मदद मिलती है। भारत के लिए यह निरंतर

वित्तीय सहायता हिंद महासागर के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पड़ोसी देश के साथ व्यापक संबंधों का भी हिस्सा है।

वर्ष 2024-27 के ढांचे के तहत द्विपक्षीय करेंसी स्वेप व्यवस्था में रियायती शर्तें शामिल हैं, जिनमें अनुकूल ब्याज दरें और अन्य सुविधाएं शामिल हैं। वर्ष 2012 में इस ढांचे की शुरुआत के बाद से आरबीआई मालदीव को कुल 1.1 अरब डॉलर से अधिक की स्वेप सहायता उपलब्ध करा चुका है।

भारत ने सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश के माध्यम से भी मालदीव की मदद की है। भारत ने 250 मिलियन डॉलर और 100 मिलियन डॉलर के दो दीर्घकालिक ट्रेजरी बॉन्ड की खरीद की थी। इसके अलावा, भारत द्वारा खरीदे गए 150 मिलियन डॉलर मूल्य के तीन ट्रेजरी बिलों का भुगतान मालदीव ने कर दिया है। इन प्रतिभूतियों पर लगा 42.8 मिलियन डॉलर का ब्याज भारत सरकार ने चुकाया था। करेंसी स्वेप सुविधा और मालदीव के ट्रेजरी बॉन्ड एवं बिलों में भारत के निवेश ने देश की वित्तीय स्थिरता को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पंजाब में एक ओर नशा विरोधी कार्यकर्ता की हत्या, नितिन नवीन ने कार्रवाई की उठाई मांग



चंडीगढ़। पंजाब में नशा विरोधी कार्यकर्ताओं की लगातार हो रही हत्याओं को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। मानसा में नशा विरोधी कार्यकर्ता परबंदर सिंह झोटा की हत्या के दो दिन बाद गुरदासपुर में 40 साल के बिक्रमजीत सिंह की हत्या ने कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि पंजाब में नशा का संकट खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। परबंदर सिंह झोटा की हत्या के ठीक दो दिन बाद गुरदासपुर में बिक्रमजीत सिंह की हत्या 'आप' सरकार के तहत कानून-व्यवस्था के पूरी तरह ध्वस्त होने को दिखाती है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब समाज में नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों को ही अपनी जान का डर सताने लगे, तो पंजाब किस दिशा में जा रहा है।

रविता और अमरदीप को फांसी की सजा



एजेंसी ■ मेरठ

उत्तर प्रदेश के मेरठ में प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या करने वाली रविता और अमरदीप को कोर्ट ने शुक्रवार को फांसी की सजा सुनाई है।

अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मेरठ, जयवीर सिंह नागर ने रविता और अमरदीप को सजा सुनाने के बाद कलम फेंक दी। जेल में बंद रविता और अमरदीप वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के जरिए जुड़े थे, जहां जज ने उनका पक्ष सुना।

सुनवाई के दौरान रविता ने कहा, 'मेरे 3 छोटे-छोटे बच्चे हैं। उनका ख्याल रखा जाए।' वहीं, अमरदीप ने कहा कि मेरे मां-बाप बूढ़े हैं। उनकी सेवा करने वाला

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने कॉक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके को शुक्रवार को एहतियाती हिरासत में ले लिया। दिपके ने कर्नाट प्लेस के सेंट्रल पार्क में 'लहरा दो तिरंगा' विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था।

दिपके को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रवक्ता अनीश गवांडे के आवास से निकलने के बाद हिरासत में लिया गया। इस दौरान एक पुलिस अधिकारी ने उनसे कहा, 'हम आपको प्रिवेंटिव डिटेंशन (एहतियाती हिरासत) में ले रहे हैं। कर्नाट प्लेस में धारा 163 लागू है। आपको हिरासत में लिया जा रहा है।'

बता दें कि सीजेपी ने शुक्रवार को कर्नाट प्लेस के सेंट्रल पार्क में 'लहरा दो तिरंगा' विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। इससे पहले



दिल्ली पुलिस ने प्रस्तावित प्रदर्शन को लेकर दिपके को नोटिस जारी किया था। पुलिस ने नोटिस में कहा था कि सोशल मीडिया के जरिए शाम पांच बजे कर्नाट प्लेस में जुटने की अपील की गई थी, जबकि इसके लिए कानूनी अनुमति नहीं ली गई थी।



पुलिस के मुताबिक, कर्नाट प्लेस एक प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र है, जहां बड़ी संख्या में दुकानें, शोरूम, रेस्टोरेंट, होटल, बैंक और कार्यालय हैं। यहां प्रदर्शन होने से राजधानी के आसपास की यातायात, जाम, अव्यवस्था और

आशंका है। नोटिस में राजीव चौक मेट्रो स्टेशन का भी उल्लेख किया गया था। पुलिस ने कहा था कि यह ब्लू और येलो लाइन को जोड़ने वाला प्रमुख स्टेशन है, जहां से राजधानी करीब दो लाख यात्री सफर करते हैं। ऐसे में भीड़ बढ़ने से यातायात जाम, अव्यवस्था और

भगदड़ जैसी स्थिति पैदा होने का खतरा है।

दिल्ली पुलिस ने यह भी कहा था कि कर्नाट प्लेस में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश लागू हैं। इन आदेशों का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 223 और अन्य संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

पुलिस ने दिपके को कर्नाट प्लेस के आसपास किसी भी तरह का प्रदर्शन, जुलूस या रैली आयोजित नहीं करने और लाउडस्पीकर का इस्तेमाल नहीं करने का निर्देश दिया था। नोटिस में यह भी स्पष्ट किया गया था कि कर्नाट प्लेस अधिसूचित प्रदर्शन स्थल नहीं है और किसी अन्य निर्धारित स्थल पर प्रदर्शन के लिए भी पहले कानूनी अनुमति लेना जरूरी है।

‘दुश्मन को एक बार माफ करो, दोस्त को दो बार, गद्दार को कभी नहीं’: किरेन रिजिजू

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 'रिजोम चेंज' की वकालत करने वालों पर निशाना साधा है। उन्होंने भारत के लोगों से अपील की है कि वे गद्दारों को कभी माफ न करें। यह बयान वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण के सरकार बदलने वाले बयान पर छिड़े सियासी विवाद के बीच आया है।

किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, 'प्यारे



देशभक्त भारतीयों, याद रखें, 'अपने दुश्मनों को एक बार माफ करो, दोस्तों को दो बार,

लेकिन गद्दारों को कभी नहीं'।

केंद्रीय मंत्री का यह बयान तब आया, जब उन्होंने प्रशांत भूषण की प्रेस कॉन्फ्रेंस का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वरिष्ठ वकील ने खुलेआम 'रिजोम चेंज' की मांग को स्वीकार किया था। प्रेस कॉन्फ्रेंस में भूषण ने कहा था, 'हां, हम रिजोम चेंज चाहते हैं। इससे पहले रिजिजू ने भूषण के 2011 के कश्मीर वाले बयान का वीडियो भी शेयर किया था, जिसमें उन्हें यह कहते हुए सुना

गया था, 'अगर कश्मीरी लोग अलग होना चाहते हैं, तो उन्हें अलग होने दें'।

एक अन्य पोस्ट में रिजिजू ने इस सियासी लड़ाई को तीखे शब्दों में बताया और संविधान का समर्थन करने वालों और अराजकता फैलाने वालों के बीच फर्क बताया।

रिजिजू ने एक्स पोस्ट में लिखा था, लड़ाई की रेखा खिंच गई है। यह दिमागी नक्सल बनाम देशभक्त भारतीय है।

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा; हवाई किरायों पर नियम तैयार, दो सप्ताह में होंगे जारी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्र ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि एयरलाइंस द्वारा वसूले जाने वाले हवाई किराए और अतिरिक्त शुल्कों को विनियमित करने के नियम तैयार कर लिए गए हैं और उन्हें प्रशासनिक मंजूरी भी मिल गई है। साथ ही भरोसा दिलाया कि इन नियमों को दो सप्ताह के भीतर जारी कर दिया जाएगा। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, आर. महादेवन और अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने केंद्र की ओर से पेश सॉलिडर जनरल तुषार मेहता की दलीलों को सुनने के बाद निर्देश दिया कि अगली सुनवाई की तारीख पर जारी नियमों को अदालत के समक्ष पेश किया जाए। साथ ही, कोर्ट ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 16 नवंबर की तारीख तय की है।

यह मामला सामाजिक



कार्यकर्ता एस. लक्ष्मीनारायण द्वारा दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) से जुड़ा है। इसमें नागरिक उड्डयन क्षेत्र में अपनाई जाने वाली कथित 'अपारदर्शी, शोषणकारी और एल्गोरिदम-आधारित' मूल्य निर्धारण प्रथाओं और यात्रियों के लिए मुफ्त चेक-इन बैगज की सीमा में की गई

कटौती को चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट हवाई किराए में होने वाले अनिश्चित उतार-चढ़ाव खासकर त्योहारों, छुट्टियों और यात्रा के व्यस्त समय के दौरान किराए में होने वाली भारी बढ़ोतरी और एयरलाइनों द्वारा लगाए जाने वाले अतिरिक्त शुल्कों से जुड़ी चिंताओं पर विचार कर रहा है।

3,500 लोगों को मिलेगा रोजगार

नवा रायपुर में स्थापित होगी प्रदेश की पहली कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग इकाई

संवाददाता ■ रायपुर

छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हुई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में नवा रायपुर में यश फैन्स की नई औद्योगिक इकाई का भूमिपूजन किया गया। 152.74 करोड़ के निवेश से स्थापित होने वाली इस इकाई में 3,500 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। यह छत्तीसगढ़ की पहली कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग इकाई होगी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को अपने ही राज्य में रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। इसी सोच के साथ औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में ऐसे उद्योगों को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जो बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित करें। उन्होंने कहा कि यश फैन्स की यह इकाई केवल एक औद्योगिक निवेश नहीं, बल्कि 3,500 लोगों और उनके परिवारों के लिए आर्थिक संबल तथा बेहतर



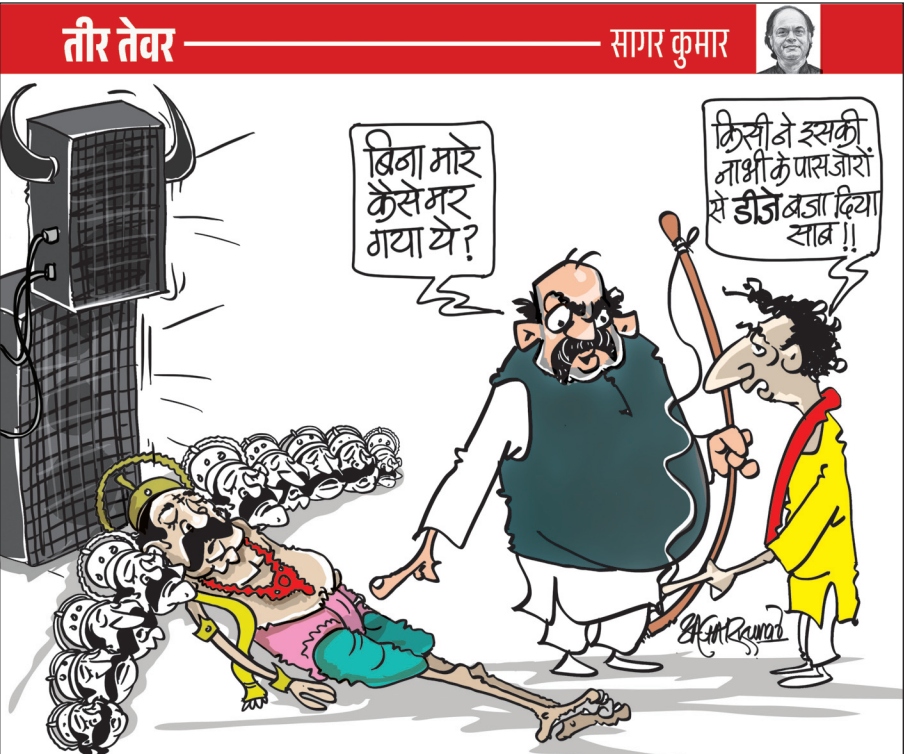
भविष्य का अवसर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस इकाई की स्थापना से छत्तीसगढ़ कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग के क्षेत्र में भी कदम रखेगा। यश फैन्स द्वारा क्रॉम्पटन, हैवेल्स, उषा और मिल्टन जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड्स के लिए इलेक्ट्रिक फैन्स एवं किचन निवेश नहीं, बल्कि 3,500 लोगों और उनके परिवारों के लिए आर्थिक संबल तथा बेहतर

अब छत्तीसगढ़ की धरती पर भी बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस परियोजना से प्रत्यक्ष रोजगार के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार और व्यवसाय की नई श्रृंखला भी विकसित होगी। कल-पुर्जो की आपूर्ति, पैकेजिंग, परिवहन और अन्य सहायक सेवाओं की मांग बढ़ने से स्थानीय उद्यमियों और छोटे व्यवसायों के लिए नए

अवसर बनेंगे। इससे नवा रायपुर और आसपास के क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि परियोजना की एक महत्वपूर्ण विशेषता प्रदेश के संसाधनों का स्थानीय स्तर पर वैल्यू एडिशन है। छत्तीसगढ़ में उत्पादित स्टील और एट्युमिनियम का उपयोग अब प्रदेश में ही तैयार उत्पाद बनाने में होगा। इससे राज्य के संसाधनों का अधिक आर्थिक लाभ छत्तीसगढ़ और यहां के लोगों को मिलेगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ लंबे समय से अपने स्टील, कोयले और बिजली के माध्यम से देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता आया है। अब हमारा लक्ष्य यहां उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर तैयार उत्पादों के निर्माण को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मेक इन इंडिया' के संकल्प के अनुरूप आने वाले समय में 'मेड इन छत्तीसगढ़' उत्पाद देशभर के घरों तक पहुंचें, इस दिशा में राज्य तेजी से आगे बढ़ रहा है।



मां दुर्गा की महाआरती में हुए शामिल भूपेश बघेल, बोले- विविधता ही भारत की खूबसूरती

भिलाई इस्पात संयंत्र के निजीकरण की चर्चाओं पर भी दी चेतावनी

विश्व केसरी■

दुर्ग। दुर्ग नवनिर्माण समिति के गरबा उत्सव में मुस्लिम युवकों के प्रवेश को लेकर हुए विवाद के अगले ही दिन पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल गरबा पंडाल पहुंचे। यहां उन्होंने मां दुर्गा की महाआरती में शामिल होकर पूजा-अर्चना की। एक दिन पहले इसी पंडाल में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं और समिति के पदाधिकारियों के बीच विवाद और धक्का-मुक्की हुई थी। घटना के महेनजर पंडाल और आसपास के क्षेत्र में पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही।

महाआरती के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए भूपेश बघेल ने गरबा विवाद को लेकर भाजपा और बजरंग दल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विविधता ही भारत की खूबसूरती है। छत्तीसगढ़ में शीतला माता, जवारा, सेवा गीत तथा डोंगरगढ़, दतेवाड़ा और रतनपुर की महामाया के रूप में देवी की आराधना की जाती है। दुर्गा पूजा बंगाल से आई और गरबा गुजरात की परंपरा है। देशभर के लोग इन पर्वों को मिलकर मनाते हैं। यही भारत की एकता और विविधता की पहचान है।



मुस्लिम युवकों के गरबा पंडाल में प्रवेश को लेकर हुए विरोध पर बघेल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के बयानों का हवाला देते हुए कहा कि पहले अपने घर की सुधारना चाहिए। उन्होंने भागवत के उस कथन का उल्लेख किया, जिसमें किसी को प्रताड़ित करने वाले व्यक्ति को हिंदू नहीं माना जा सकता। बघेल ने कहा कि धर्म और आस्था के विषय में टिप्पणी करने से पहले भारतीय

भिलाई इस्पात संयंत्र के निजीकरण पर सरकार को चेतावनी

भिलाई इस्पात संयंत्र के निजीकरण की चर्चाओं पर भूपेश बघेल ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि भिलाई छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था की धड़कन है। उन्होंने कहा कि यदि भिलाई इस्पात संयंत्र को अखंडी के हाथों सौंपने की कोशिश की गई, तो इसका विरोध किया जाएगा। बघेल ने स्पष्ट किया कि संयंत्र को बचाने के लिए लंबी लड़ाई लड़ी जाएगी और इसे किसी भी कीमत पर बिकने नहीं दिया जाएगा। गरबा विवाद के बीच भूपेश बघेल का पंडाल पहुंचना और वहां से भाजपा-बजरंग दल पर राजनीतिक हमला करना चर्चा का विषय रहा। वहीं, भिलाई इस्पात संयंत्र के भविष्य को लेकर दिए गए उनके बयान ने औद्योगिक और राजनीतिक मुद्दों को भी गरबा उत्सव के दौरान केंद्र में ला दिया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री के साथ समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल पूर्व विधायक अरुण बोर प्रवक्ता सुशील भारद्वाज निकिता मिलिंद प्रेमलता साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प’ अभियान से शिक्षा को संबल: दुगली एवं राजपुर में विद्यार्थियों को निःशुल्क कॉपियों का वितरण

विश्व केसरी■

नगरी (हिमांशु यादव)। विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने, उन्हें शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराने और उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सहभागी बनने के उद्देश्य से ‘सेवा संकल्प’ अभियान के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुगली एवं हायर सेकेंडरी स्कूल राजपुर में विद्यार्थियों को निःशुल्क कॉपियों का वितरण किया गया।

इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने, अपने लक्ष्य निर्धारित करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते



हुए छत्तीसगढ़ राज्य औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम ने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाने, समाज को सशक्त करने और राष्ट्र के विकास की नींव मजबूत करने का सबसे प्रभावी साधन है। आज

राजिम फटाका व्यापारी संघ का गठन आकाश सिंह राजपूत बने अध्यक्ष



विश्व केसरी■

नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। दीपावली पर्व के महेनजर राजिम में फटाका व्यापारियों ने संगठन को मजबूत करने की दिशा में पहल करते हुए फटाका व्यापारी संघ का गठन किया है। व्यापारियों की सर्वसम्मति से आकाश सिंह राजपूत को संघ का अध्यक्ष चुना गया। वहीं, ठैजू बिल से संबंधित समस्याओं को लेकर व्यापारियों ने राजिम विधायक रोहित साहू से मुलाकात कर अपनी परेशानियों से अवगत कराया। विधायक ने संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर व्यापारियों को राहत दिलाने के निर्देश दिए।

सर्वसम्मति से चुनी गई नई कार्यकारिणी - व्यापारियों की बैठक के पश्चात सर्वसम्मति से संघ की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें आकाश सिंह राजपूत को अध्यक्ष, समीम वासी की उपाध्यक्ष, गौतम साहू को सचिव, धीरेंद्र शर्मा को कोषाध्यक्ष तथा भवानी शंकर साहू को संरक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई।

तेंदुए के हमले से घायल ग्रामीणों का हाल जानने नगरी अस्पताल पहुंची विधायक अंबिका मरकाम

विश्व केसरी■

नगरी/सिहावा (हिमांशु यादव)। बोराई क्षेत्र के कारीपानी स्थित आमा नाला में विगत दिनों तेंदुए के हमले से घायल हुए ग्रामीणों का हालचाल जानने सिहावा विधायक अंबिका मरकाम शासकीय अस्पताल नगरी पहुंचीं। घटना की जानकारी मिलते ही विधायक ने तत्परता दिखाते हुए अस्पताल पहुंचकर घायलों एवं उनके परिजनों से मुलाकात की और उनकी स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी ली। विधायक अंबिका मरकाम ने घायलों से रूबरू होकर घटना के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में मौजूद चिकित्सकों से घायलों के उपचार की जानकारी ली और सभी घायलों को आवश्यकतानुसार बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि घायलों के



इलाज में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए तथा मरीजों को समय पर उचित उपचार उपलब्ध कराया जाए। बोराई क्षेत्र के वनांचल में तेंदुए के हमले की घटना को गंभीरता से लेते हुए विधायक ने घायलों के स्वास्थ्य एवं उपचार को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

पीएम मातृत्व वंदन योजना की राशि दिलाने में मनमानी

विश्व केसरी■

बकावंड (अर्जुन कुमार झा)। विकासखंड के करपावंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत मैलबेड़ा में महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना में गंभीर लापरवाही, भेदभाव और भ्रष्टाशाही का मामला सामने आया है। यहां पात्र माताओं को योजना के लाभ से वंचित कर अपनी चहेती महिलाओं को उपकृत किया जा रहा है। ऐसी ही एक आदिवासी महिला है सुनीता नेताम, जिसे योजना की राशि देने के लिए चक्कर पर चक्कर लगवाए जा रहे हैं।

ग्राम मैलबेड़ा निवासी पीड़िता सुनीता नेताम ने बताया कि उनकी दूसरी संतान बेटी के जन्म के बाद शासन की प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना के तहत 6 हजार रुपए की अग्रगृह राशि के लिए वह आंगनबाड़ी केंद्र के 6 बार चक्कर काट चुकी है। कभी



जरूरी दस्तावेज, आधार कार्ड, तो कभी बैंक पासबुक और कभी बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र के नाम पर उसे भटकया गया। वह सारे वांछित दस्तावेज लेकर गई, लेकिन आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने कभी सर्वर उप होने तो, कभी दीदी के नहीं होने का बहाना बनाकर बिना फॉर्म भरे उसे लौटा दिया। पीड़िता का आरोप है कि उसी दौरान कार्यकर्ता ने अपने खास परिचितों के फॉर्म भरकर उनका लाभ स्वीकृत करा दिया, जबकि उसका फॉर्म आज तक पोर्टल पर नहीं चढ़ाया गया।

आदतन बदमाशों पर बलौदाबाजार पुलिस की कड़ी कार्रवाई

विश्व केसरी■

बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार-भाटापारा गौरव राय (भा.पु.से.) के कुशल निदेशन, में जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने, अपराधियों पर नकेल कसने तथा जिला बदर आदेशों का सख्ती से पालन कराने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना पलारी एवं साइबर सेल की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा जिलाबदर आदेश का उल्लंघन कर क्षेत्र में प्रवेश कर घूमने वाले दो अलग-अलग आरोपियों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है।

15 अक्टूबर को मुखबिर से सूचना मिली कि गुंडा बदमाश शिवम वर्मा उर्फ कथरी को जिला दंडाधिकारी बलौदाबाजार-भाटापारा द्वारा दिनांक 02.09.2026 को राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 3, 5(ख) के तहत



बलौदाबाजार-भाटापारा जिला व समीपवर्ती जिलों (बिलासपुर, रायपुर, पलारी क्षेत्र में विचरण किया जा रहा था। रायगढ़, महासमुंद, मुंगेली, जांजगीर-चापा, बेमेतरा, शक्ति, सारंगढ़-बिलासगढ़) की सूचना पर पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर तस्दीक की गई तथा वैध अनुमति नहीं पाए जाने पर आरोपी को दिनांक 15.10.2026 को विधिवत गिरफ्तार किया गया।

पीएम श्री में पत्रकारिता कार्यशाला आयोजित

विश्व केसरी■

पिथौरा (परमीत सिंह माटा)। स्थानीय पीएम श्री विद्यालय में कक्षा 9वीं और 10वीं के विद्यार्थियों के लिए पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय पर एक विशेष शैक्षणिक सत्र का आयोजन किया गया। शिक्षिका नम्रता यादव के विशेष मार्गदर्शन और समन्वय में आयोजित इस कार्यशाला में पत्रिका संवाददाता परमीत सिंह माटा एवं नवभारत संवाददाता विजय गुप्ता ने छात्र-छात्राओं को मीडिया की व्यावहारिक कार्यप्रणाली से रूबरू कराया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए संवाददाताओं ने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारिता की भूमिका, प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक व डिजिटल मीडिया के प्रभाव तथा जिम्मेदार रिपोर्टिंग के महत्व पर प्रकाश डाला। कक्षा 9वीं और 10वीं के विद्यार्थियों को समाचार लेखन के छह प्रकारों (व्या, कहौं, कब, कौन, क्यों और कैसे) की बुनियादी जानकारी दी गई। प्रश्नोत्तरी सत्र के दौरान छात्र-छात्राओं में उत्साह देखने को मिला। बच्चों ने फील्ड रिपोर्टिंग की चुनौतियों और मीडिया में करियर की संभावनाओं को लेकर कई सवाल पूछे, जिनका अतिथियों ने सहजता से समाधान किया। शिक्षिका नम्रता यादव व विद्यालय परिवार ने इस व्यावहारिक पहल की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

निकाय चुनाव की तैयारी में जुटी आम आदमी पार्टी, प्रत्याशी चयन और जनसंपर्क तेज

विश्व केसरी■

भिलाई। नगरीय निकाय चुनाव का समय नजदीक आने के साथ ही राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। चुनावी मैदान में मजबूती से उतरने के लिए सभी दल संगठन को सक्रिय करने और संभावित प्रत्याशियों के चयन में जुटे हैं। इसी क्रम में आम आदमी पार्टी भी चुनावी तैयारियों को लेकर लगातार सक्रियता बढ़ा रही है। पार्टी की ओर से प्रत्याशी चयन, जनसंपर्क और संगठन विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पार्टी नेताओं का दावा है कि कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ने के साथ ही जनता के बीच भी संगठन की पकड़ मजबूत हो रही है, जिसका लाभ आगामी चुनाव में मिलने की उम्मीद है।

आम आदमी पार्टी नगरीय निकाय चुनाव को ध्यान में रखते



हुए वार्ड स्तर पर अपनी रणनीति तैयार कर रही है। इसके तहत संभावित प्रत्याशियों की पहचान, स्थानीय कार्यकर्ताओं से चर्चा और जनसंपर्क के माध्यम से लोगों से जुड़ने का प्रयास किया जा रहा है। पार्टी का जोर ऐसे प्रत्याशियों को सामने लाने पर है, जो क्षेत्र की समस्याओं से परिचित हों और जनता के बीच सक्रिय भूमिका निभा सकें। इसके साथ ही संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को भी सक्रिय किया जा रहा है।

प्रत्याशी चयन और संगठन विस्तार पर जोर

इस संबंध में आम आदमी पार्टी के प्रदेश संगठन मंत्री संजीत विश्वकर्मा ने बताया कि पार्टी नगरीय निकाय चुनाव को लेकर लगातार सक्रियता के साथ आगे बढ़ रही है। प्रत्याशी चयन की

जनसंपर्क के जरिए जनता से जुड़ने की रणनीति

पार्टी की चुनावी रणनीति में जनसंपर्क को महत्वपूर्ण स्थान दिया जा रहा है। स्थानीय मुद्दों को समझना, नागरिकों से संवाद स्थापित करना और वार्ड स्तर पर मजबूत संगठन तैयार करना पार्टी की प्राथमिकताओं में शामिल है। आम आदमी पार्टी का प्रयास है कि चुनाव से पहले संगठनात्मक गतिविधियों को गति देकर कार्यकर्ताओं को एकजुट किया जाए और संभावित प्रत्याशियों को लेकर तैयारी पूरी की जाए। नगरीय निकाय चुनाव को लेकर बढ़ती राजनीतिक सरगमी के बीच आम आदमी पार्टी भी अपनी स्थिति मजबूत करने में जुटी है। अब पार्टी की संगठनात्मक सक्रियता और जनसंपर्क अभियान कितना चुनावी समर्थन जुटा पाते हैं, यह आगामी चुनाव में स्पष्ट होगा।

प्रत्याशियों के चयन को लेकर चर्चा जारी है और संगठन को मजबूत करने के लिए विभिन्न स्तरों पर सकरात्मक दिखाई दे रहा है। काम किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि जनता के बीच आम

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत फिट इंडिया सत्र का आयोजन

विश्व केसरी■

बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में “सेवा संकल्प अभियान” के अंतर्गत 15 अक्टूबर 2026 को जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम एवं योग भवन, बलौदाबाजार में फिट इंडिया सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में बैडमिंटन एवं रस्साकसी तथा योग भवन में मल्लखम्भ की खेल गतिविधियां आयोजित की गईं। आयोजन में विभिन्न खेल विधाओं के लगभग 100 से 200 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर खेल अधिकारी प्रीति बंछोर बिजौरा ने बताया कि “सेवा संकल्प अभियान” का उद्देश्य आम नागरिकों को केन्द्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराना तथा प्रत्येक परिवार की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए विकसित भारत-2047 के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित खिलाड़ियों एवं प्रतिभागियों ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र



बनाने तथा केन्द्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का सामूहिक संकल्प लिया। साथ ही, फिटनेस, खेल एवं स्वस्थ जीवनशैली को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संदेश दिया गया।

संपादकीय

निजाम बदलने की मांग से पीछे हटते कोकरोच

राजेश अचल

कोकरोच जनता पार्टी अचानक निजाम परिवर्तन की मांग से पीछे हटते दिखाई दे रहे हैं,जबकि उनके साथ मंच साझा करने वाले सिविल सोसायटी के प्रशांत भूषण खुलकर कह रहे हैं कि वे निजाम बदलना चाहते हैं और इसी के लिए लड़ रहे हैं।

सीजेपी के सुप्रीमो अंभिजीत दीपके शुक्रवार को ‘लहरा दो तिरंगा’ अभियान के ठीक के पहले आधी रात को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में साफ किया है कि काँकरोच जनता पार्टी सत्ता परिवर्तन नहीं चाहती। उन्होंने कहा कि सीजेपी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाकर नए सीईसी को नियुक्त करना चाहती है।

उन्होंने कहा, ‘हम बस जवाबदेही मांग रहे हैं कि जो ज्ञानेश कुमार ने चुनावों में हेराफेरी की है। जो उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी के बिना फॉर्म 6 में बदलाव किए। जो बाकी दो आयुक्तों ने कहा कि वो फैसलों के साथ नहीं थे। बस उसके ऊपर हम चाहते हैं कि ज्ञानेश कुमार को हटाकर किसी और को बना दो। हम यह तो नहीं कह रहे कि सत्ता पलटनी है, हम ये तो नहीं कह रहे कि कुछ और करना है।’

सीजेपी के अचानक बदले सुर देखकर लगता है कि या तो सीजेपी सरकार के दबाव में आ गई है या फिर उसे इस मुद्दे पर काँग्रेस गठबंधन आगे निकलता दिख रहा है.सीजेपी नेताओं को पांच दिन की जेल भी शायद इस रुखबदली की एक वजह हो सकती है.



अभिजीत को ये सफाई देने की जरूरत क्यों पड़ी कि हम महात्मा गांधी और डॉक्टर बाबासाहब आंबेडकर के समर्थक हैं. हम इस देश के नागरिक के तौर पर चुपचाप से जाकर तिरंगा लहराएंगे, जो हमारा अधिकार है.उतना तो हम कर सकते हैं. तिरंगा लहराने से हमें कैसे रोक सकते हो.और महात्मा गांधी के फॉलोअर्स हैं, तो हम शांति में भरोसा रखते हैं, अहिंसा में भरोसा रखते हैं.हम हमारी तरफ से कोई भी हिंसा या असंवैधानिक काम नहीं कर करते.

गौर करने वाली बात ये है कि सिविल सोसायटी के प्रशांत भूषण सीजेपी के विपरीत खुलकर निजाम बदलने की मांग दोहरा रहे हैं.भाजपा ने उनके ऊपर तख्ता पलट की योजना का आरोप लगाया था.मुझे लगता है कि सीजेपी निजाम परिवर्तन की मांग से पल्ला झाड़कर जनता का समर्थन गंवा सकती है,क्योंकि सब सत्ता परिवर्तन चाहते हैं.

गौरतलब है कि कांग्रेस ने तो बाकायदा ज्ञानेश कुमार के स्तीफे की मांग के साथ ही निजाम बदलने को ही अपना एजेंडा बना रखा है.कांग्रेस और उसके सहयोगी इसीलिए साथ साथ संसद से सडक तक लड़ रहे हैं.वैसे भी 10 अक्टूबर को सीजेपी का आंदोलन सरकार ने कुचल दिया था लेकिन सरकार राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट तक मार्च करने से नहीं रोक सकी थी क्योंकि राहुल के साथ अप्रत्याशित रूप से लाखों लोग थे.

अब देखना यह है कि निजाम परिवर्तन के मुद्दे पर कौन कौन एकजुट होकर रहेगा और कौन बाग जाएगा? यानि अब असल और नकल की बन चुकी है।

आखिर हतियों को नियंत्रित करने में सऊदी अरब, अमेरिका और ‘इस्लामिक नाटो’ क्यों विफल प्रतीत हो रहे हैं?

कमलेश पांडे

खाड़ी देशों में ईरान पर जोरदार हमला करके अमेरिका-इजरायल ने जो आग भड़काई, उसकी भारी कीमत आज उसके समर्थक चुका रहे हैं। जब ईरान ने अपनी सधी हुई रणनीति से और रूस व चीन के बल पर अमेरिका-इजरायल को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया, तो उन्होंने अपनी सैन्य कार्रवाई रोक ली। इधर ईरान समर्थित यमन के हूती विद्रोहियों ने जब सऊदी के निशाने पर लिया और ताबड़तोड़ हमले शुरू किए, तो उनके विरुद्ध अमेरिका, सऊदी अरब और इस्लामिक नाटो की सैन्य क्षमता पर सवाल उठने लगे हैं। आधुनिक हथियारों, उन्नत वायु रक्षा प्रणालियों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के बावजूद हूती विद्रोही सऊदी अरब के लिए सुरक्षा चुनौती बने हुए हैं।

जिस तरह से अक्टूबर 2026 में रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हमले हुए और लाल सागर के समुद्री मार्गों को लेकर तनाव बढ़ा, उसने इस संकट को और गंभीर बना दिया है। आइए हम आपको इसके पीछे के दस अहम सवाल समझाएंगे, जो आगे दिए हुए हैं। इससे पहले एक मीडिया की 12-13 अक्टूबर की रिपोर्टों में सऊदी हवाई सुरक्षा की कमजोरियों और हतियों की बढ़ती क्षमताओं का उल्लेख किया गया है, उसकी चर्चा करते हैं। यही वजह है कि इस संकट को समझने के लिए तीन सवाल महत्वपूर्ण हैं:–

एक, अमेरिका जैसी महाशक्ति हतियों को निर्णायक रूप से नियंत्रित क्यों नहीं कर पा रही है? शायद इसलिए कि उनके ऊपर ईरान और

ईरान के ऊपर रूस व चीन का हाथ है। सभी मिलकर खाड़ी देशों से अमेरिकी पांव उखाड़ना चाहते हैं। इसलिए अमेरिका बेबस है।

दो, सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच बने नए रक्षा समझौते की वास्तविक उपयोगिता क्या है? दरअसल, यह अमेरिकी इशारे पर भारत के विरुद्ध बनवाया गया संगठन है। लेकिन इनकी आर्थिक और सैन्य क्षमता ईरान से सीधा टकराने की नहीं है। अब जान चुके हैं कि जो देश अमेरिका को पीछे हटने पर मजबूर कर सकता है, वह देश इन अमेरिकी पिल्लों को पल भर में दबोच कर शिया शासन के अधीन मिला लेगा। किसी भी लड़ाई में सारे मोर्चे एक साथ नहीं खोले जाते, बल्कि एक एक कर दुर्लभ लक्ष्य साधा जाता है। ईरान और उसके प्रॉक्सी शिया संगठनों की रणनीति यही है।

देसीउत्पाद खोजें

तीन, सऊदी अरब के पास सैन्य कार्रवाई के अलावा कौन-कौन से विकल्प हैं? चूंकि अमेरिका व इजरायल सऊदी अरब का साथ छोड़ चुके हैं, इसलिए अब वह रूस को माध्यम बनाकर ईरान के शरणगत हो जाए। साथ ही तमाम अमेरिका सैन्य अड्डों को खाली करवा ले। इससे ईरान खुद को सुरक्षित महसूस करेगा। यदि वह तुस्नी मुल्कों पाकिस्तान व तुर्कीय के भ्रमजाल में फंसेगा तो बर्बादी भी होगी और सत्ता पलट भी होगा।

अब आइए दस मौलिक सवालों से इस वैश्विक समस्या के समाधान को ढूंढने की कोशिश करते हैं, जहां पर हर पक्ष के संतुलन को दर्शाने की कोशिश की गई है।

पहला सवाल यह है कि हतियों को नियंत्रित करना इतना कठिन क्यों है? तो जवाब होगा कि सैन्य शक्ति और युद्ध के परिणाम में अंतर होता है। अमेरिका और सऊदी अरब के पास आधुनिक सैन्य संसाधन हैं, लेकिन किसी सशस्त्र संगठन को पराजित करना केवल हथियारों की श्रेष्ठता का प्रश्न नहीं है, बल्कि सैनिकों में मजबूत राष्ट्रीय जज्बा भी होना चाहिए जो अबतक दिखा नहीं। हूती आंदोलन ने यमन के गृहयुद्ध के दूसरा सवाल है कि कम लागत वाले हमले और महँगी सुरक्षा व्यवस्था के बीच भी सऊदी अरब पर हूती क्यों भारी पड़ रहा है? शायद इसलिए कि हूती संकट का एक महत्वपूर्ण पहलू आर्थिक है। ड्रोन और अन्य अपेक्षाकृत सस्ते साधनों से खतरा उत्पन्न किया जा सकता है। हमलों को रोकने के लिए अत्याधुनिक निगरानी और वायु रक्षा व्यवस्था की आवश्यकता पड़ती है। लगातार हमलों की आशंका के



दौरान सैन्य अनुभव हासिल किया है। वह देश के बड़े हिस्से में अपना प्रभाव बनाए हुए है और उसके पास मिसाइल तथा ड्रोन जैसी क्षमताएँ हैं। एक ताजा विश्लेषण के अनुसार, हतियों की चुनौती के पीछे अपेक्षाकृत कम लागत वाली सैन्य तकनीक, ईरान से मिली तकनीकी सहायता, स्थानीय समर्थन और विरोधी पक्षों के बीच मतभेद जैसे कारक हैं। दरअसल किसी देश की सैन्य श्रेष्ठता अपने आप यह सुनिश्चित नहीं करती कि वह अपने राजनीतिक उद्देश्यों को भी प्राप्त कर लेगा।

कारण नागरिक विमानन, ऊर्जा प्रतिष्ठानों और व्यापारिक गतिविधियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इसका अर्थ यह नहीं है कि सऊदी अरब की रक्षा व्यवस्था पूरी तरह विफल हो गई है, बल्कि हालिया घटनाएँ यह सवाल उठाती हैं कि क्या उसकी मौजूदा व्यवस्था सभी प्रकार के हमलों से पर्याप्त सुरक्षा दे पा रही है। मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार, सऊदी अधिकारी रियाद हवाई अड्डे पर हुए हमले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में आई कमियों की जाँच कर रहे हैं। तीसरा सवाल यह है कि यमन

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उन्माद और वैश्विक बाजार की चिंता



महेंद्र तिवारी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता को इक्कीसवीं सदी की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में गिना जा रहा है। चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, संचार और प्रशासन तक इसका विस्तार नई संभावनाओं के द्वार खोल रहा है। बड़ी कंपनियाँ इस तकनीक को विकसित करने और अपने कारोबार में शामिल करने के लिए भारी धनराशि खर्च कर रही हैं। लेकिन जब किसी नई तकनीक के प्रति उम्मीदें बहुत तेजी से बढ़ती हैं, तब उसके साथ जुड़े आर्थिक जोखिम भी बढ़ने लगते हैं। 15 अक्टूबर 2026 को वैश्विक शेयर बाजारों में दिखाई दी उथल-पुथल ने इसी प्रश्न को सामने ला दिया है कि क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता

में किया जा रहा विशाल निवेश भविष्य में अपेक्षित लाभ दे पाएगा। रॉयटर्स की रिपोर्टों के अनुसार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में गिरावट के बीच निवेशकों ने सरकारी बांड जैसे अपेक्षाकृत सुरक्षित निवेश साधनों की ओर रुख किया। दक्षिण कोरिया का शेयर बाजार विशेष रूप से प्रभावित हुआ। वहां प्रमुख शेयर सूचकांक कोस्पी 7.57 प्रतिशत गिरकर 5,554.22 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान गिरावट इतनी तेज थी कि कुछ समय के लिए व्यापार रोकना पड़ा। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और एसके हाइनिक्स जैसी प्रमुख अर्धचालक कंपनियों के शेयरों में भी भारी गिरावट दर्ज की गई। जापान का शेयर बाजार भी इस वैश्विक दबाव से अछूता नहीं रहा। इन घटनाओं ने स्पष्ट कर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी कंपनियों में निवेशकों की दिलचस्पी के साथ-साथ उनकी आशंकाएं भी बढ़ रही हैं।

इस गिरावट के पीछे केवल शेयरों की कीमतों में पहले आई तेजी नहीं थी। इसके साथ अमेरिका में महंगाई के अपेक्षा से अधिक बने

रहने और ब्याज दरों को लेकर बढ़ती अनिश्चितता का भी संबंध था। जब ब्याज दरें ऊंची रहती हैं, तब कंपनियों के लिए कर्ज लेना महंगा हो जाता है। भविष्य में मिलने वाले लाभ का वर्तमान मूल्य भी कम हो सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में अनेक कंपनियाँ ऐसे उपकरणों और प्रतिष्ठानों पर भारी धनराशि खर्च कर रही हैं, जिनसे वास्तविक आय प्राप्त होने में कई वर्ष लग सकते हैं। इसलिए महर्गे कर्ज और अनिश्चित लाभ का मेल निवेशकों के लिए चिंता का विषय बन गया है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का आधुनिक ढांचा तैयार करना साधारण काल्पनिक नहीं है। इसके लिए अत्यंत शक्तिशाली संगणक, उन्नत अर्धचालक चिपें, विशाल आंकड़ा केंद्र, निरंतर बिजली आपूर्ति और प्रभावी शीतलन प्रणालियाँ चाहिए। इन सबके निर्माण और संचालन में भारी पूंजी लगती है। कंपनियाँ इस उम्मीद में निवेश कर रही हैं कि आने वाले वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मांग तेजी से बढ़ेगी और उनके द्वारा तैयार की गई संगणना क्षमता का पर्याप्त उपयोग होगा। लेकिन

यदि मांग अनुमान से कम रही या ग्राहकों ने अपेक्षित धनराशि खर्च नहीं की, तो कंपनियों के लिए अपने निवेश से पर्याप्त लाभ कमाना कठिन हो सकता है।

अमेरिकी कंपनी कोरवीव का उदाहरण इस चिंता को समझने में मदद करता है। यह कंपनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी संगणना सेवाएं उपलब्ध कराती है। रॉयटर्स की 15 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी पर लगभग 50 अरब डॉलर का कर्ज है। उसके पास शेयरों में लगातार गिरावट आई और उसके कुछ बांडों पर मिलने वाला प्रतिफल भी बहुत बंद गया। इससे निवेशकों ने कंपनी की वित्तीय क्षमता और कर्ज चुकाने की योग्यता पर सवाल उठाए। दूसरी ओर, कंपनी के मुख्य कारकारी अधिकारी ने कर्मचारियों को भरोसा दिलाया कि उसके पास थियस में आय देने वाले अनुबंधों का बड़ा भंडार है।

यहां समझने वाली बात यह है कि भविष्य के अनुबंधों का बड़ा मूल्य होना और समय पर पर्याप्त नकदी प्राप्त होना अलग-अलग बातें हैं।

का भूगोल और राजनीतिक परिस्थितियाँ हतियों की मदद कर रही हैं। यमन की भौगोलिक परिस्थितियाँ और लंबे समय से जारी राजनीतिक अस्थिरता इस समस्या को जटिल बनाती हैं।

हूती आंदोलन को केवल बाहरी सैन्य शक्ति से नियंत्रित करने की कोशिश में स्थानीय राजनीतिक समीकरणों की अनदेखी नहीं की जा सकती। यमन में एक ओर हतियों का प्रभाव है, तो दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार और दूसरे स्थानीय राजनीतिक तथा सैन्य समूह हैं। इन सभी के हित हमेशा एक जैसे नहीं होते। इसलिए हतियों के विरुद्ध कार्रवाई और यमन में स्थायी राजनीतिक व्यवस्था स्थापित करना दो अलग-अलग चुनौतियाँ हैं।

चौथा सवाल है कि आखिर इसके पीछे ईरान की भूमिका क्या है? तो जवाब होगा कि हूती आंदोलन को ईरान से समर्थन और तकनीकी सहायता मिलने की बात लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय विश्लेषणों में सामने आती रही है। लेकिन हतियों को केवल ईरान का निर्देश मानकर चलना भी अधूरा विश्लेषण होगा। एक अध्ययन के अनुसार, ईरान और हतियों के हित कई मामलों में एक-दूसरे से मेल खाते हैं, लेकिन हतियों के अपने स्थानीय राजनीतिक उद्देश्य भी हैं। इसका कूटनीतिक अर्थ यह है कि ईरान के साथ बातचीत उपयोगी हो सकती है, लेकिन उससे हतियों के सभी निर्णय स्वतः नियंत्रित हो जाएँगे, इसकी गारंटी नहीं है।

पांचवां सवाल यह है कि आखिर अमेरिका हतियों को

निर्णायक रूप से नियंत्रित क्यों नहीं कर पा रहा? तो जवाब होगा कि अमेरिका की स्थिति में एक महत्वपूर्ण विरोधाभास है: वह सऊदी अरब की सुरक्षा में सहयोग करना चाहता है, लेकिन यमन में एक और व्यापक युद्ध में उलझने से भी बचना चाहता है। इसके पीछे कुछ कारण हैं:–

एक, सैन्य कार्रवाई की सीमाएँ: हूती ठिकानों पर हवाई हमले उनकी क्षमताओं को प्रभावित कर सकते हैं। लेकिन हवाई कार्रवाई अपने आप किसी संगठन का राजनीतिक नियंत्रण समाप्त नहीं करती। अतीत के अनुभवों से भी स्पष्ट है कि लंबे सैन्य अभियान के बावजूद हूती आंदोलन को समाप्त नहीं किया जा सका। इसलिए अमेरिका के सामने केवल हमले करने का प्रश्न नहीं, बल्कि यह भी है कि सैन्य कार्रवाई के बाद स्थायी सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाए?

दो, अमेरिका की प्राथमिकताएँ: एक नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी अरब ने हतियों के विरुद्ध प्रस्तावित अभियान में अमेरिकी हवाई हमलों का समर्थन माँगा था, लेकिन उस समय वाशिंगटन ने प्रत्यक्ष सैन्य कार्रवाई में शामिल होने से इनकार किया। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका खुफिया जानकारी और अन्य सहायता देता रहा। इससे संकेत मिलता है कि अमेरिका की सहायता और उसकी प्रत्यक्ष युद्ध में भागीदारी अलग-अलग विषय हैं। वाशिंगटन के लिए व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष का जोखिम, सैन्य संसाधनों पर दबाव और दूसरे मोर्चों पर उसकी प्राथमिकताएँ महत्वपूर्ण कारक हैं।

बोध कथा

नवरात्रि का चमत्कार

अशोक मतवाला

एक गाँव में मीरा नाम की एक छोटी-सी लड़की रहती थी। नवरात्रि के दिन ये पूरा गाँव माँ दुर्गा की पूजा में मग्न था, लेकिन मीरा की माँ बीमार थी और घर में खाने तक के पैसे नहीं थे।

मीरा ने माँ दुर्गा की मूर्ति के सामने हाथ जोड़कर कहा, ‘माँ! सब लोग आपको चुनरी, मिठाई और सोना चढ़ाते हैं। मेरे पास तो कुछ भी नहीं। मैं आपको क्या चढ़ाऊँ?’

उसी रात मीरा ने देखा कि मंदिर के बाहर एक बूढ़ी औरत टंड से काँप रही थी। मीरा ने अपनी सबसे अनमोल घंटी उसे ओढ़ा दी और अपने हिस्से की रोटी भी खिला दी।

बूढ़ी औरत मुस्कुराई और बोली, ‘बेटी, तूने आज माँ को सबसे अनमोल भेंट दी है।’

अगली सुबह गाँव के मंदिर में एक अजीब घटना हुई। पुजारी ने देखा कि माँ दुर्गा की मूर्ति पर चढ़ी चुनरी के पास एक छोटी-सी पर्ची

रखी थी, जिस पर लिखा था— ‘मैं सोने-चाँदी से नहीं, अपने भक्तों के प्रेम और करुणा से प्रसन्न होती हूँ।’

उसी दिन गाँव के एक वैद्य को मीरा की माँ की बीमारी का पता चला। उसने निःशुल्क इलाज किया। गाँव वालों ने भी मीरा के परिवार की सहायता की और कुछ ही दिनों में उसकी माँ स्वस्थ होने लगी।

मीरा फिर मंदिर गई और बोली, ‘माँ, क्या आप सचमुच उस बूढ़ी औरत के रूप में आई थीं?’

मंदिर की घंटी हवा के झोंके से बज उठी। मीरा मुस्कुराई और उसकी आँखों में खुशी के आँसू आ गए।

उसे समझ आ गया था कि माँ दुर्गा की शक्ति केवल मंदिरों में नहीं, बल्कि हर उस हृदय में बसती है, जहाँ दया, साहस और प्रेम जीवित हैं। नवरात्रि केवल नौ दिन पूजा करने का पर्व नहीं, बल्कि अपने भीतर की करुणा, साहस और अच्छाई को जगाने का अवसर है।

कविता

विश्वात्मा



मोनिका ड़ागा
‘आनंद’, चेन्नई

हमें बस वो चुन लें ।

बाँधे जाते हैं मन्नतों के धागे, इस आस में रुका सौभाग्य जागे, करुण प्रार्थनाएं परमेश्वर सुन ले, लाखों की भीड़ में

तकनीकी रास्ते बंद जहाँ हो जाते, याचक मुराद ले प्रभु के द्वार भागते, अपराधों की क्षमा याचना कर प्रभु से, होते हल्के चिंताओं के पहाड़ से ।

पीपल नीम कभी वट को सूत बाँधतें, गहरा विश्वास जगा मन्नतें माँगतें, अशांत मन ताकि थोड़ा सुकून पा सके,

अतृप्त इच्छाशक्ति सजग हो जाग सके ।

तजकर अवसाद नया संबंध जोड़ते, आस की दीप्ति से संशय बाँध तोड़ते, रमें कोशिशों में ये धागा बस दमकें, फरियाद शीघ्र फलीभूत होकर चमकें ।

ये अटल विश्वास पुष्पित करता फल को, धागा ये खुशियों से भर देता कल को, रूकावट मन की है हम यह जानें तो, ‘आनंद’ यहीं है भीतर पहचानें तो ।

अनंत भंडार यहाँ लगती कमी हमें, खोजते चाहतों को हम इसमें उसमें, गहरा हो जब रिश्ता अंतरात्मा से, अंकुरित तेज होता है विश्वात्मा से ।

व्यंग्य केसरी

वाह! मुद्दा मिल गया...



बेबाक बनारसी

लटकनराम का जीवन बिना आंदोलन के वैसा ही था, जैसे बिना मसाले की कढ़ी। पिछले दो हफ्तों से शहर में गजब की शांति थी, न कोई डैक्स बढ़ा, न किसी ने किसी की धार्मिक भावनाएं आहत कीं, और तो और नगर निगम ने कचरे की गाड़ियां भी समय पर दौड़ा दी थीं। लटकनराम का खून खौलने के बजाय सूख रहा था। उनका ब्लड प्रेशर आंदोलन के अभाव में सामान्य रहने

लगा था, जो उनके स्वास्थ्य और छवि दोनों के लिए बेहद खतरनाक संकेत था। प्रेस क्लब का समोसा और कैमरों की चमचमाती लाइटें देखे उन्हें जमाना बीत चुका था।

तभी एक रोज़ गुप्तचरों अर्थात फेसबुक और वॉट्सऐप ग्रुपों से खबर उड़ी कि शहर के ‘विकास नगर’ की मुख्य सड़क पर इतने गड्डे हो चुके हैं कि वहां चंद्रमा की सतह का अहसास मुफ्त में मिल रहा है। बस फिर क्या था! लटकनराम के चेहरे पर वही चिर-परिचित क्रांति की चमक लौट आई। उन्होंने तुरंत अपना ‘आंदोलन किट’ निकाला, खादी का झोला, एक फटा हुआ तिरपाल, तीन-चार खाली बैनर जिन पर तुरंत मार्कर से नारा लिखा जा सके, और गले में डालने वाला एक गमछा।

?सुबह दस बजे, विकास नगर के सबसे भव्य, गहरे और ऐतिहासिक गड्डे के ठीक मुहाने पर लटकनराम ने अपना तिरपाल बिछाया और पालथी

मारकर बैठ गए। हाथ में तख्ती लहराई— ‘सड़क में गड्डा है या गड्डे में सड़क? जवाब दो, वरना यहीं समाधि होगी!

शुरुआत में दो-चार राहगीर रुके। एक स्कूटी वाला जो अभी-अभी गड्डे से उछलकर कमर पकड़ चुका था, बोला, ‘भाई साहब, सही कर रहे हो। यह गड्डा नहीं, यमराज का मुख्य द्वार है।’

?दोपहर होते-होते माहौल गर्मा गया। लटकनराम के दो-चार शागिर्द भी आ गए। धरना स्थल तो उनका बाकायदा ‘गड्डा बचाओ नहीं, सड़क बचाओ’ मोर्चा खुल गया। बगल के चाय वाले की बिक्री चार गुना बढ़ गई। उसने खुश होकर लटकनराम को दो कप स्पेशल अदरक वाली चाय पिलाई। लटकनराम ने ‘अन्न त्याग’ किया था, तरल पदार्थों पर उनका गांधीवादी विशेषाधिकार कायम था। शाम तक एक स्थानीय यूट्यूब पत्रकार माइक लेकर पहुंचा,

‘लटकन की, इस ऐतिहासिक गड्डे को आप किस नजरिए से देखते हैं?’ लटकनराम ने कैमरे की ओर देखकर आंखें तरेरीं, ‘यह गड्डा नहीं, लोकतंत्र का रिसता हुआ घाव है!’

?आनन-फानन में नगर निगम का एक डंपर डामर और गिट्टी लेकर सायरन बजाता हुआ पहुंचा। साथ में चार मजदूर फावड़े लिए कूद पड़े। ?जैसे ही मजदूरों ने गड्डे में गिट्टी डालनी शुरू की, लटकनराम की आत्मा अचानक छटपटा उठी। अरे! अगर यह गड्डा भर गया, तो उनका धरना कैसे चलेगा? कल की प्रेस कॉन्फ्रेंस का क्या होगा? परसों जो भूख हड़ताल का पोस्टर छपने दिया था, उसका फावड़ा भेंट देगा?

लटकनराम झपटकर गिट्टी के ढेर पर लोट गए और चीखे, ‘रुक जाओ! यह सबूत मिटाने की साजिश है! जांच आयोग बनने से पहले इस गड्डे को छूना जनता की भावनाओं का कत्ल है!’

इतिहास

17 अक्टूबर का इतिहास भारतीय और विश्व पटल पर कई महत्वपूर्ण घटनाओं से जुड़ा है:

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएं

1814: लंदन में बियर की बाढ़ आई थी, जिसमें मेउक्स एंड कंपनी की फैक्ट्री का बड़ा टैंक टूटने से करीब 3,20,000 गैलन बियर सड़कों पर बह गई थी और 8 लोगों की मौत हो गई थी.

1850: कलकत्ता बंदरगाह को एक संवैधानिक निकाय प्रबंधन के तहत लाया गया.

1933: प्रसिद्ध वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टाइन नाजी जर्मनी से भागकर अमेरिका पहुंचे थे.

1956: इंग्लैंड में दुनिया का पहला कमर्शियल परमाणु ऊर्जा संयंत्र ‘काउंडर हॉल’ चालू किया गया.

1979: समाजसेविका मदर टेरेसा को शांति की नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया था ।

कोकड़े ग्राम पंचायत ने धर्मांतरण के विरोध में प्रस्ताव किया पारित, गांव में लगाया बोर्ड

आदिवासी संस्कृति, परंपरा और सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण का लिया गया संकल्प

विश्व केसरी■

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। कांकेर जिले के दुर्गाकोदल तहसील अंतर्गत ग्राम कोकड़े में धर्मांतरण के विरोध में ग्राम पंचायत द्वारा प्रस्ताव पारित किए जाने की बात सामने आई है। इसके बाद गांव में एक बोर्ड लगाया गया है, जिस पर पास्टर की धर्मांतरण संबंधी गतिविधियों को वर्जित किए जाने का उल्लेख किया गया है।

गांव में लगाए गए बोर्ड पर संविधान की पांचवीं अनुसूची और पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, 1996 यानी पेसा कानून का हवाला देते हुए आदिवासी संस्कृति, परंपरा और सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण की बात कही गई है। बोर्ड में ग्रामस्था के प्रस्ताव का उल्लेख करते हुए धर्मांतरण संबंधी गतिविधियों पर रोक लगाने की बात लिखी गई है।

इस दौरान देवेंद्र टेकाम और धनी दरौ सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने अपनी पारंपरिक संस्कृति और रीति-रिवाजों के संरक्षण पर जोर दिया।

जिला पंचायत सीईओ ने ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों, शैक्षणिक संस्थानों का किया निरीक्षण

बलरामपुर (आफताब आलम)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने आज जनपद पंचायत बलरामपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत ओबरी, जवाहरनगर, सुरी, जरहाडीह सहित अन्य ग्राम पंचायतों का दौरा कर विभिन्न योजनाओं के तहत पूर्ण एवं निर्माणाधीन विकास कार्यों, शासकीय विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित आजीविका गतिविधियों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को निर्धारित मापदंडों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

ग्राम पंचायत ओबरी में सीईओ डॉ. चतुर्वेदी ने पुलिया निर्माण, शिव मंदिर के पास तटबंध निर्माण और शेड निर्माण सहित अन्य कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता में आवश्यक सुधार करते हुए तकनीकी मापदंडों के अनुरूप निर्माण सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों एवं तकनीकी अमले को निर्देशित किया। ग्राम पंचायत जवाहरनगर में उन्होंने एनआरएलएम के तहत महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा संचालित मछली पालन, किराना दुकान, कपड़े की दुकान और श्रृंगार स्टोर जैसी स्वरोजगार गतिविधियों को देखा। शीतल महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य उमा रानी गोलदार ने बताया कि वे इन गतिविधियों से प्रतिमाह लगभग 15 हजार रुपये की आय अर्जित कर परिवार का भरण-पोषण कर रही हैं। गतिविधियों के विस्तार के लिए उन्होंने एनआरएलएम से 5 लाख रुपये का ऋण भी लिया है।

नवरात्र में गांव-गांव पहुंच रहीं बेला अनिल कुशवाहा, 40 पूजा समितियों से किया संपर्क; पुजारियों का सम्मान कर बढ़ाया उत्साह

विश्व केसरी■

बलरामपुर (आफताब आलम)। नवरात्र पर्व के पावन अवसर पर जिला पंचायत सदस्य बेला अनिल कुशवाहा गांव-गांव पहुंचकर माता रानी के दर्शन करने, पूजा समितियों के सदस्यों से मुलाकात करने और धार्मिक आयोजनों में सहभागिता निभाने में सक्रिय हैं। नवरात्र के पहले दिन से ही उनका विभिन्न गांवों के दुर्गा पूजा पंडालों तक पहुंचने का सिलसिला जारी है। इस दौरान वे माता रानी के चरणों में शीश नवाकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और कुशहाली की कामना कर रही हैं। साथ ही दुर्गा पूजा समितियों को सहयोग राशि प्रदान कर आयोजन में जुटे लोगों का उत्साह बढ़ा रही हैं।

बेला अनिल कुशवाहा धार्मिक आयोजनों में योगदान देने के साथ ही पंडितों और पुजारियों को गमछ भेंटकर सम्मानित भी कर रही हैं। उनके इस कार्यक्रम में आस्था, परंपरा और सामाजिक सहभागिता की झलक देखने को मिल रही है। नवरात्र के दौरान पूजा पंडालों में पहुंचकर समितियों के सदस्यों और स्थानीय लोगों से मुलाकात करने के माध्यम से वे लोगों के साथ संवाद भी स्थापित कर रही हैं।

30 से 40 दुर्गा पूजा समितियों से मुलाकात, धार्मिक आयोजनों को दिया सहयोग - नवरात्र के दौरान अब तक बेला अनिल कुशवाहा लगभग 30 से 40 दुर्गा पूजा समितियों के सदस्यों से मुलाकात कर चुकी हैं। विभिन्न गांवों में पंडालों में पहुंचकर समितियों में पहुंचकर और उन्होंने माता रानी के दर्शन किए और आयोजन से जुड़े लोगों के साथ समय बिताया। इस दौरान पूजा समितियों को सहयोग राशि प्रदान कर धार्मिक कार्यक्रमों के सफल आयोजन में अपनी सहभागिता निभाई।

मसानियाखुर्द आश्रम में मनाई गई डॉ. कलाम की जयंती, बच्चों ने प्रस्तुत किए विज्ञान मॉडल

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। शासकीय आदिवासी बालक आश्रम मसानियाखुर्द में भारत के पूर्व राष्ट्रपति और 'मिसाइल मैन' के नाम से विख्यात भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती अत्यंत उत्साह के साथ मनाई गई। इस विशेष अवसर पर विद्यालय परिवार और छात्रों ने उनके जीवन दर्शन को याद किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत में प्रधान पाठक शैल कुमार पांडेय ने लेंकर देश के सर्वोच्च वैज्ञानिक और मिसाइल मैन बनने तक की प्रेरणादायक यात्रा से अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि 'दिमाग से सुंदर बनें', क्योंकि आंतरिक ज्ञान और अच्छे विचार ही ईसान को बनाने में सहायक हैं।

बच्चों ने प्रदर्शित की वैज्ञानिक प्रतिभा

जयंती के इस पावन अवसर पर आश्रम के छात्रों ने अपनी वैज्ञानिक कला का अद्भुत प्रदर्शन किया। छात्र पूर्व एवं रौनक उरांव ने अपने हाथों से तैयार किया गया हैंड पंप चलित मॉडल सबसे समक्ष प्रस्तुत किया, जिसे सभी ने खूब सराहा। इसके साथ ही, आठ प्रकार के मिसाइल मॉडलों की प्रस्तुति ने आज के इस दिवस को और अधिक सफल एवं यादगार बना दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक शिक्षक भुवनेश्वर भैना का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर आश्रम के छात्र जगदीश, पूर्व, जयंत, रौनक, राजेंद्र, नमन, राकेश, रूपेश, रोहन, मयंक, यश, विवेक, गगन सहित यशवंत व देव साहू उपस्थित रहे।

अंत में सभी ने डॉ. कलाम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके सपनों का भारत बनाने का संकल्प लिया।

आरटीआई पोर्टल पर ऑनबोर्डिंग के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण संपन्न

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में आरटीआई पोर्टल पर ऑनबोर्डिंग संबंधी एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिले के जनसूचना अधिकारियों एवं प्रथम अपीलीय अधिकारियों ने भाग लिया। तकनीकी अधिकारियों ने पोर्टल पर ऑनबोर्डिंग की प्रक्रिया समझाई और इसके उपयोग का प्रशिक्षण दिया।

कलेक्टर अग्रवाल ने कहा कि अधिकारी अपने कामकाज में इतनी पारदर्शिता बरतें कि सूचना देते समय किसी जानकारी को छिपाने की जरूरत ही न पड़े। सूचना का अधिकार अधिनियम कामकाज में जवाबदेही सुनिश्चित करने के साथ ही गलत कार्यों से बचने के लिए भी प्रेरित करता है। उन्होंने अधिकारियों से अधिनियम के प्रावधानों को सावधानीपूर्वक पढ़ने, समझने और उनकी मंशा के अनुरूप कार्य करने को कहा। कलेक्टर ने कहा कि सूचना का अधिकार अधिनियम की मंशा जनहित में है। इसे केवल आवेदनों के निराकरण तक सीमित रखकर देखने के बजाय व्यापक सामाजिक परिप्रेक्ष्य में समझना चाहिए। लोकतंत्र में आम नागरिक का अधिकार सम्पन्न होना देश के विकास को मजबूती देता है। जनता के हाथ में सूचना की ताकत होने से प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ती है।

अग्रवाल ने कहा कि अधिनियम के प्रावधानों की पर्याप्त जानकारी नहीं होने से अधिकारियों को दंडात्मक कार्रवाई का सामना भी करना पड़ सकता है। इसलिए इसके अध्ययन और समझ पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को सुझाव दिया कि अधिनियम को सूचना देने वाले अधिकारी के साथ ही सूचना मांगने वाले नागरिक के दृष्टिकोण से भी पढ़ें। इससे इसके उद्देश्य और विभिन्न प्रावधानों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर अपर कलेक्टर डॉक्टर ज्योति पटेल, डिप्टी कलेक्टर सलिकराम गुप्ता सहित जिले के जनसूचना अधिकारी एवं प्रथम अपीलीय अधिकारी उपस्थित थे।

दिव्यांगजन राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए 21 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजन राज्य स्तरीय पुरस्कार 2026 के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्रतिवर्ष 3 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले दिव्यांग कर्मचारियों, संस्थाओं एवं दिव्यांगजन कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वालों को राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। समाज कल्याण विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार दृष्टिबाधित, श्रवणबाधित, अस्थिबाधित एवं प्रमस्तिष्क अंगाघात श्रेणी के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों तथा दिव्यांगजन कल्याण के क्षेत्र में दिव्ययोगदान देने वाली संस्थाओं को पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त निःशक्तता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले सर्वश्रेष्ठ जिले को भी सम्मानित किया जाएगा। इच्छुक पात्र आवेदक अपने कार्यों एवं उपलब्धियों के विस्तृत विवरण के साथ निर्धारित प्रारूप में आवेदन 21 अक्टूबर 2026 तक कार्यालय संयुक्त संचालक, समाज कल्याण विभाग, पुरानी कंपोजिट बिल्डिंग, कपरा नंबर 04, जिला बिलासपुर में जमा कर सकते हैं।

शिवरीनारायण महोत्सव में स्कूली बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। छत्तीसगढ़ की धार्मिक एवं पर्यटन नगरी शिवरीनारायण प्राचीन काल से ही अपनी धार्मिक महत्ता, व्यापारिक गतिविधियों और सांस्कृतिक पहचान के लिए प्रसिद्ध रही है। जाँजगीर-चाँपा जिले में महानदी के पावन तट पर स्थित यह नगर भगवान नर-नारायण की नगरी और माता शिवरी की पावन धरा के रूप में श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। राम वनगमन पर्यटन परिपथ में भी शिवरीनारायण का विशेष स्थान है। इन दिनों नवरात्रि महोत्सव के चलते नगर में भक्ति और उत्साह का वातावरण बना हुआ है। इसी धार्मिक माहौल के बीच नगर पंचायत शिवरीनारायण के तत्वावधान में आयोजित शिवरीनारायण महोत्सव ने नगरवासियों और दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया।

महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शिवरीनारायण पहुंचे। उन्होंने भगवान नर-नारायण के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। नगर में आयोजित इस महोत्सव में धार्मिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक कार्यक्रमों की श्रृंखला रखी गई, जिसमें कवि सम्मेलन के साथ विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

मायापुर के मंदिर की तर्ज पर सजा मां दुर्गा का दरबार

नवरात्रि के अवसर पर शिवरीनारायण में मां दुर्गा के भव्य पंडाल श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। नगर में इस्कोन मायापुर मंदिर की तर्ज पर तैयार किया गया मां दुर्गा का आकर्षक दरबार लोगों के बीच विशेष चर्चा का विषय है। भव्य सजावट और धार्मिक वातावरण ने नवरात्रि की रौनक को और बढ़ा दिया है। दूर-दूर से पहुंच रहे श्रद्धालु मां दुर्गा के दर्शन कर रहे हैं।

स्कूली बच्चों की प्रस्तुतियों ने बांधा समां

शिवरीनारायण महोत्सव में नगर के विभिन्न अंग्रेजी माध्यम, हिंदी माध्यम और शासकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। बच्चों के नृत्य, अभिनय और मनमोहक मंचीय कार्यक्रमों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के

छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज भानुप्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र में तीन सूत्रीय मांगों को लेकर विधायक को सौंपेगा ज्ञापन

विश्व केसरी■

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज द्वारा अपनी तीन सूत्रीय मांगों को आगामी विधानसभा शीतकालीन सत्र में उठाने के संबंध में भानुप्रतापपुर विधानसभा की विधायक सावित्री मंडावी को ज्ञापन सौंपने की तैयारी की जा रही है। इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) भानुप्रतापपुर को आधिकारिक सूचना प्रेषित कर दी गई है।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 18 अक्टूबर 2026 (दिन रविवार) को दोपहर 01:00 बजे छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज द्वारा

माननीय विधायक भानुप्रतापपुर को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

इस दौरान समाज के प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे, जिसमें मुख्य रूप से निम्नलिखित नाम शामिल हैं, संभागीय संतटन मंत्री: मनीष टेम्पा योगी ब्लॉक उपाध्यक्ष

दुर्गाकोदल दीनदयाल पटेल, मुकेश चंद्राकर, दिलीप ताम्रकार, भीषम पटेल, यशवंत चक्रधारी और मयंक सोनी आवश्यक कार्रवाई और कानून-व्यवस्था के लिए इस माध्यम से निम्नलिखित नाम सूचना की एक प्रति भानुप्रतापपुर थाना प्रभारी को भी सादर प्रेषित की गई है।

शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ बंद, सेंसेक्स 414 अंक उछला

विश्व केसरी■
मुंबई। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार के कारोबारी सत्र में लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 413.66 अंक या 0.56 प्रतिशत की तेजी के साथ 74,729.27 और निफ्टी 148.80 अंक या 0.65 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,146.15 पर था।

बाजार में तेजी का नेतृत्व आईटी शेयरों ने किया। सूचकांकों को निफ्टी आईटी 3.92 प्रतिशत की तेजी के साथ टॉप गेनर था। इसके अलावा, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी मीडिया, निफ्टी मेटल, निफ्टी ऑटो, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी कंजेशन, निफ्टी इंडिया - मैनुफैक्चरिंग, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी इंडिया डिफेंस और निफ्टी प्राइवेट बैंक बढ़ने वाले सूचकांकों में शामिल थे।

दूसरी तरफ निफ्टी कंज्यूम ड्यूरैबल्स, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी फार्मा, निफ्टी पीएम्आई और निफ्टी एनर्जी लाल निशान में बंद हुए।



लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में सपाट कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 67.50 अंक या 0.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 59,129.75 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 1.90 अंक की मामूली गिरावट के साथ 19,129.80 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में टेक महिंद्रा, टीसीएस, इन्फोसिस, भारती एयरटेल, एमएंडएम, बजाज फाइनेंस, एचसीएल टेक, एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति सुजुकी, पावर ग्रिड, बजाज फिनसर्व, टैट, इटरनल, एचयूएल,आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई गेनर्स थे। इंडिगो,रिलायंस

इंडस्ट्रीज, एशियन पेंट्स, बीईएल, एलएंडटी, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, एडीएफसी बैंक और सन फार्मा लूजर्स थे। एक्सपर्ट्स ने कहा कि आईटी शेयरों में लगातार खरीदारी के चलते भारतीय शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन सुधार जारी रहा। मजबूत तिमाही नतीजों और प्रबंधन की सकारात्मक टिप्पणियों ने इस क्षेत्र के आय दृष्टिकोण में विश्वास को और मजबूत किया। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और रुपए के मजबूत होने से बाजार के सेंटिमेंट को और समर्थन मिला।

हालांकि, इनपुट लागत में वृद्धि के कारण दूसरी तिमाही में मार्जिन में कमी की चिंताओं के चलते एफएमसीजी शेयरों पर दबाव बना रहा। यह क्षेत्रीय अंतर लगातार लागत दबाव के बीच आय की स्पष्टता के प्रति निवेशकों की प्राथमिकता को दर्शाता है। रुपए की मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से भले ही अल्पकालिक समर्थन मिले, लेकिन वैश्विक मुद्रास्फीति और भू-राजनीतिक जोखिमों के प्रति सतर्कता बरतनी जरूरी है।

ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एफआईआईटीजेईई और निदेशकों के खिलाफ चार्जशीट दायर की

विश्व केसरी■
लखनऊ। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के लखनऊ जोनल कार्यालय ने छात्रों से वसूली गई फीस के कथित गबन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में एफआईआईटीजेईई लिमिटेड और उसके निदेशकों दिनेश कुमार गोयल एवं मोनिला गोयल के खिलाफ गाजियाबाद की विशेष पीएमएलए अदालत में चार्जशीट दाखिल की है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई।

ईडी ने गुरुवार को चार्जशीट दाखिल की थी। एजेंसी ने आरोपियों को दोषी ठहराने और जांच के दौरान जब्त एवं अस्थायी रूप से कुर्क की गई 71.88 करोड़ रुपए की संपत्तियों को जब्त करने की मांग की है।

ईडी ने उत्तर प्रदेश के नोएडा और ग्रेटर नोएडा एवं मध्य प्रदेश के भोपाल में पुलिस द्वारा दर्ज किए एफआईआर के आधार पर जांच



शुरू की थी। ये एफआईआर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के उन प्रावधानों के तहत दर्ज की गई थीं, जो भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 406, 420, 120बी और 34 के अनुरूप हैं।

एफआईआर के अनुसार, एफआईआईटीजेईई ने जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी सहित दो से चार साल के कोचिंग कार्यक्रमों के लिए प्रत्येक छात्र से अग्रिम रूप से 2.8 लाख रुपए से 3.5 लाख रुपए तक की फीस कथित तौर पर वसूली थी। संस्थान

ने छात्रों को आश्वासन दिया था कि पाठ्यक्रम पूरे कराए जाएंगे। हालांकि, ईडी ने आरोप लगाया कि वेतन का भुगतान नहीं होने के कारण शिक्षकों ने संस्थान छोड़ दिया और इसके बाद कई कोचिंग केंद्र बिना किसी पूर्व सूचना के अचानक बंद हो गए।

एजेंसी ने आगे आरोप लगाया कि प्रबंधन ने छात्रों की फीस को दूसरी जगह इस्तेमाल किया और शिक्षकों के संस्थान छोड़ने के बावजूद नए छात्रों का दाखिला जारी रखा।

इस मामले में नोएडा पुलिस भी आरोपपत्र दाखिल कर चुकी है, जिसमें दिनेश कुमार गोयल और मोनिला गोयल को आरोपी बनाया गया है। पुलिस का आरोपपत्र लगभग 300 पीड़ितों, कोचिंग सेंटर संचालकों और अन्य गवाहों के बयानों के अलावा जांच के दौरान जुटाई गई फीस की रसीदों और अन्य साक्ष्यों पर आधारित है।

ईडी की जांच में दावा किया गया कि एफआईआईटीजेईई ने मई 2024 से फरवरी 2025 के बीच अचानक 32 केंद्र बंद कर दिए। इससे संस्थान में नामांकित 14,411 छात्र प्रभावित हुए, जो कोचिंग की फीस पहले ही जमा कर चुके थे।

एजेंसी के अनुसार, कंपनी नए छात्रों को दाखिला देती रही। इनमें मार्च 2029 तक चलने वाले कार्यक्रमों के छात्र भी शामिल थे, जबकि कंपनी को कथित तौर पर इस बात की जानकारी थी कि वह इन पाठ्यक्रमों को पूरा कराने में सक्षम नहीं होगी।

यस बैंक को लेकर ब्रोकिंग फर्मों ने अपनाया सतर्क रुख, शेयर फिसले

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। यस बैंक के शेयरों में शुक्रवार को गिरावट देखने को मिली। इसकी वजह सुप्रीम कोर्ट द्वारा 8,415 करोड़ रुपए के ‘एडिशनल टियर-1’ (एटी-1) बॉन्ड को राइट-ऑफ रद्द करने के फैसले को बरकरार रखने के बाद ब्रोकिंग फर्मों का यह बैंक को लेकर सतर्क रुख अपनाना है।

ब्रोकिंग फर्मों ने चेतावनी दी है कि इससे बैंक की पूंजी और बुक वैल्यू पर दबाव पड़ सकता है।

ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म ‘सिटी’ के एनालिस्ट्स ने यस बैंक पर अपनी ‘बिकवाली’ की रेटिंग बरकरार रखी है और इसका टारगेट प्राइस घटाकर 17.50 रुपए कर दिया है।

इसी तरह, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद मॉर्गन स्टैनली ने भी अपनी ‘अंडरवेट’ रेटिंग को बनाए रखा है और इसका टारगेट प्राइस 17 रुपए तय किया है। कोर्ट के इस



फैसले के चलते स्टॉक में भारी बिकवाली देखने को मिली। सुप्रीम कोर्ट ने यस बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक और केंद्र सरकार की उन अपीलों को खारिज कर दिया है, जो बॉम्बे हाई कोर्ट के 20 जनवरी, 2023 के फैसले के खिलाफ दायर की गई थीं। हाई कोर्ट ने अपने फैसले में एटी-1 बॉन्ड के ‘राइट-डाउन’ को रद्द कर

दिया था। ये बॉन्ड मार्च 2020 में बैंक को बचाने की प्रक्रिया के दौरान खतम कर दिए गए थे।

सिटी के अनुसार, एटी-1 बॉन्ड के राइट-डाउन को पलटने से पूंजी से जुड़ी चिंताएं फिर से पैदा हो गई हैं। ब्रोकरेज का अनुमान है कि इस फैसले के चलते यस बैंक के ‘कॉमन इक्विटी टियर 1’ (सीईटी1) कैपिटल रेशियो में 250

आधार अंक की कमी आ सकती है और यह घटक 11.5 प्रतिशत पर आ सकता है। यह अनुमान केवल मूल राशि पर आधारित है और इसमें यह मानकर चला गया है कि कूपन भुगतान स्वैच्छिक हैं और नॉन-क्यूमुलेटिव हैं।

ब्रोकरेज का यह भी अनुमान है कि इस संभावित देनदारी से बैंक की बुक वैल्यू 13-14 प्रतिशत तक कम हो सकती है, जिसके चलते कैपिटल बफर को बहाल करने के लिए बैंक को अतिरिक्त पूंजी जुटानी पड़ सकती है।

इसका अंतिम असर कितना होगा, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि इस फैसले को कैसे लागू किया जाता है और बकाया बॉन्ड के साथ क्या व्यवहार किया जाता है।

दोपहर 3 बजे यस बैंक का शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 2.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 17.72 रुपए पर था।

सऊदी अरब में सुरक्षा चिंताओं के बीच भारतीय एयरलाइंस ने कई उड़ानें की रद्द



विश्व केसरी■
नई दिल्ली। सऊदी अरब में विकसित हो रही सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर भारतीय विमानन कंपनियों – एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस – ने शुक्रवार को कई सऊदी गंतव्यों के लिए अपनी उड़ान सेवाएं 20 अक्टूबर तक निलंबित करने की घोषणा की।

एयरलाइंस द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी यात्रा परामर्श के अनुसार, रियाद, जेद्दा और दम्माम सहित सऊदी अरब के प्रमुख शहरों के लिए उड़ान सेवाएं अलग-अलग अवधि तक निलंबित रहेंगी। कुछ एयरलाइंस ने मदीना के लिए भी उड़ानें रद्द की हैं।

एयर इंडिया ने कहा, ‘सऊदी अरब में विकसित हो रही स्थिति को देखते हुए रियाद, दम्माम और जेद्दा के लिए तथा वहां से संचालित होने वाली एयर इंडिया की सभी उड़ानें 20 अक्टूबर 2026 तक रद्द रहेंगी।’

एयरलाइन ने यह भी कहा कि इन रद्द उड़ानों से प्रभावित यात्रियों को पूरा रिफंड दिया जाएगा। एयर इंडिया ने एक्स पर लिखा, ‘हमारे यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।’ इसी तरह एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भी कहा कि उसने दम्माम, जेद्दा और रियाद के लिए तथा वहां से संचालित उड़ानों के निलंबन को 20 अक्टूबर तक बढ़ा दिया है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने कहा, ‘हम स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और आवश्यकता दल की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च समीक्षा कर उसमें बदलाव करेंगे। हमारी टीमें प्रभावित यात्रियों को हर संभव सहायता प्रदान कर रही हैं।’ एयरलाइन ने रद्द उड़ानों के यात्रियों को मुफ्त री-शेड्यूलिंग या पूर्ण रिफंड का विकल्प भी दिया है। गुरुवार को इंडिगो ने भी स्थिति का आकलन करने के बाद रियाद, जेद्दा, दम्माम और मदीना के लिए

तथा वहां से संचालित उड़ानों को 24 अक्टूबर तक रद्द करने की घोषणा की थी।

इसके अलावा, अकासा एयर ने भी रियाद के लिए और वहां से संचालित उड़ानों के निलंबन को 24 अक्टूबर तक तथा जेद्दा के लिए उड़ानों के निलंबन को 21 अक्टूबर तक बढ़ाने की जानकारी दी। एयरलाइन ने कहा कि प्रभावित यात्रियों को पूर्ण रिफंड या बिना अतिरिक्त शुल्क के यात्रा पुनर्निर्धारण का विकल्प दिया जाएगा। सभी एयरलाइंस ने दोहराया कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और सेवाओं को बहाल करने का निर्णय स्थिति की लगातार समीक्षा के बाद लिया जाएगा। इसके अलावा यात्रियों को यात्रा से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जांच करने और यह सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है कि उनका संपर्क विवरण एयरलाइन के साथ अपडेट हो।

सरकार ने सोने-चांदी के इयूटी ड्रॉबैक दरों में की कटौती; गोल्ड पर 3.1 प्रतिशत और सिल्वर पर करीब 9 प्रतिशत की कमी

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोने और चांदी के आभूषणों तथा अन्य कीमती धातु उत्पादों के निर्यात पर मिलने वाली इयूटी ड्रॉबैक दरों में कटौती कर दी है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक, गोल्ड ज्वेलरी पर मिलने वाले इयूटी रिफंड में 3.1 प्रतिशत और चांदी के आभूषणों एवं अन्य उत्पादों पर मिलने वाले रिफंड में करीब 9 प्रतिशत की कमी की गई है। इस फैसले से भारतीय ज्वेलरी निर्यातकों को पहले के मुकाबले कम वित्तीय लाभ मिलेगा और उनके मार्जिन पर सीधा असर पड़ सकता है।

इयूटी ड्रॉबैक वह व्यवस्था है जिसके तहत निर्यातकों को उन कस्टम और अन्य शुल्कों का रिफंड मिलता है जो निर्यात के लिए तैयार किए गए उत्पादों में इस्तेमाल होने



वाले कच्चे माल या इनपुट पर चुकाए गए करना होता है। नए संशोधन के बाद सोने के आभूषणों के निर्यात पर मिलने वाला इयूटी ड्रॉबैक 1,851.99 रुपए प्रति ग्राम से घटाकर

1,794.11 रुपए प्रति ग्राम कर दिया गया है। यानी गोल्ड ज्वेलरी निर्यातकों को अब प्रति ग्राम कम रिफंड मिलेगा। वहीं चांदी से जुड़े उत्पादों पर कटौती और भी अधिक की गई है। चांदी के आभूषणों और अन्य वस्तुओं के निर्यात पर मिलने वाली दर 29,501.09 रुपए प्रति किलोग्राम से घटाकर 26,859.02 रुपए प्रति किलोग्राम कर दी गई है। इससे चांदी निर्यातकों को लगभग 9 प्रतिशत तक का झटका लगा है।

चैतन्य टेवनो स्कूल, रायपुर (मोवा-दलदल सिवनी) ने 350 से अधिक प्रतिभागियों के साथ भव्य गरबा नाइट का आयोजन किया

विश्व केसरी■
रायपुर (संवाददाता)। चैतन्य टेवनो स्कूल, मोवा-दलदल सिवनी, रायपुर ने विद्यालय परिसर में जीवंत गरबा नाइट समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 350 से अधिक अभिभावकों और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे यह एक यादगार सांस्कृतिक संस्था बन गई।

अभिभावकों, विद्यार्थियों और बच्चों ने गरबा समारोह में सक्रिय रूप से भाग लिया और उत्सवपूर्ण वातावरण का आनंद उठाया। इस आयोजन ने सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने तथा विद्यालय और अभिभावक समुदाय के बीच संबंधों को मजबूत करने के प्रति विद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाया।

समारोह के अवसर पर विद्यालय ने



आगामी शैक्षणिक वर्ष के लिए विशेष प्रवेश कक्षा साईं कुमार, क्षेत्रीय प्रभारी, और पी. श्रीवल्ली, प्राचार्या की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने परिवारों की उत्साहपूर्ण भागीदारी का आभार व्यक्त किया।

एजीएम, के. सुरेश कुमार, कार्यकारी डीन, कक्षा साईं कुमार, क्षेत्रीय प्रभारी, और पी. श्रीवल्ली, प्राचार्या की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने परिवारों की उत्साहपूर्ण भागीदारी का आभार व्यक्त किया।

विद्यालय द्वारा प्रदान किए जा रहे शैक्षणिक अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का सुव्यवस्थित आयोजन प्राचार्या और स्टाफ सदस्यों द्वारा किया गया। समारोह को और अधिक आनंददायक बनाने के लिए विद्यालय प्रबंधन ने कार्यक्रम में शामिल सभी अभिभावकों और बच्चों के लिए निःशुल्क भोजन स्टॉल की व्यवस्था की।

मोवा-दलदल सिवनी क्षेत्र में एक नवस्थापित शाखा होने के बावजूद, चैतन्य टेवनो स्कूल को अभिभावकों से लगातार उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिल रही है। विद्यालय प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ समग्र विकास प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

8000 किमी की दौड़ पर निकल पड़ा बेटा; कलयुग में मां-बेटे के अनमोल रिश्ते की अनोखी मिसाल



दुनिया में मां और बेटे का रिश्ता सिर्फ खून का नहीं, बल्कि अटूट विश्वास और असीम समर्पण का होता है। जब बात मां की जिंदगी और सेहत की हो, तो एक बेटा भगवान से भी जंग जीतने का जज्बा रखता है। इन दिनों बिहार के 19

वर्षीय मोनू मेटरबाला की कहानी कुछ ऐसी ही मार्मिक और प्रेरणादायक दास्तान कह रही है, जिसे देखकर हर कोई भावुक हो रहा है। लोग उन्हें प्यार से ‘ब्लैक पैंथर’ के नाम से भी पुकारते हैं और उनकी तुलना आधुनिक युग के श्रवण कुमार

से कर रहे हैं।

दुनिया में यूं तो हर रिश्ता खास होता है, लेकिन मां और संतान का नाता कुछ अलग ही मिट्टी का बना होता है। मां जब बच्चे पर कोई आंच नहीं आने देती, तो एक बेटा भी अपनी मां की एक-एक सांस के

लिए पूरी दुनिया से लड़ सकता है। कुछ ऐसी ही भावुक और आंखें नम कर देने वाली कहानी इन दिनों पूरे देश का दिल जीत रही है, जहां एक बेटे का अपनी मां के प्रति निस्वार्थ प्रेम कलयुग में भक्ति और समर्पण की सबसे बड़ी मिसाल बन गया है।

बस मेरी मां की सांसें लौटा दो प्रभु...

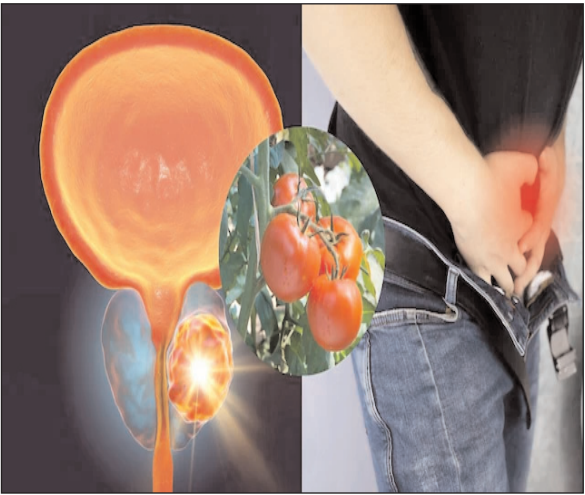
कहते हैं जब ईसान के सारे रास्ते बंद हो जाते हैं, तब केवल आस्था और मां का प्यार ही हौसला देता है। बिहार के 19 साल के मोनू मेटुरबाला के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। जब उसकी मां गंभीर बीमारी की चपेट में आई और अस्पताल के बिस्तर पर जिंदगी और मौत से जूझ रही थीं, तब सोनू के पास आंसुओं और प्रार्थनाओं के सिवा कुछ नहीं था।

अपनी मां को तड़पता देख इस बेटे का दिल रो पड़ा। उसने आंखें बंद कीं और भगवान भोलेनाथ के सामने अपने दिल का टुकड़ा रख दिया— ‘प्रभु, मेरी मां को स्वस्थ कर दो। मैं बिना किसी गाड़ी, बिना किसी साधन के, अपने पैरों पर दौड़ते हुए देश के सभी 12 ज्योतिर्लिंगों और 4 धामों के दर्शन करने आऊंगा। ‘

मां की मुस्कान और बेटे का कठिन संकल्प

कहते हैं कि अगर प्रार्थना सच्चे दिल से की जाए, तो ईश्वर भी झुक जाते हैं। मां धीरे-धीरे ठीक होने लगीं और उनकी सेहत में सुधार आ गया। मां के चेहरे पर दोबारा मुस्कान लौटी, तो बेटे ने भी बिना एक पल गंवाए अपनी उस कठिन मन्नत को निभाने की तैयारी कर ली।

सबसे तेजी से बढ़ रहा ये कैंसर, 84% भारतीय लोगों को पता ही नहीं जांच हुई या नहीं, सर्वे में खुलासा



एनसीआर, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना और महाराष्ट्र में 45 वर्ष और उससे ज्यादा उम्र के पुरुषों को शामिल किया गया। सर्वेक्षण में पाया गया कि 68.9% पुरुष प्रोस्टेट कैंसर के एक भी रिस्क कारक का नाम नहीं बता सके, जबकि केवल 13.2% ने पारिवारिक इतिहास को एक जोखिम कारक के रूप में पहचाना। वहीं लगभग 75% का मानना था कि प्रोस्टेट कैंसर की निगरानी केवल 50 वर्ष या उसके बाद शुरू होनी चाहिए।

इस बारे में मैक्स हेल्थकेयर, दिल्ली के मेडिकल ऑकालॉजी वाइस प्रेसिडेंट डॉ देवव्रत आर्या ने कहा कि ये निष्कर्ष प्रोस्टेट कैंसर के संबंध में जागरूकता की एक बुनियादी कमी की ओर संकेत करते हैं। जब लगभग 10 में से 7 पुरुष एक भी जोखिम कारक की पहचान नहीं कर सकते हैं, और 10 में से 6 पुरुषों को यह पता नहीं है कि उनकी कभी जांच हुई है या नहीं, तो यह स्पष्ट है कि 45 वर्ष से अधिक आयु के पुरुषों के लिए प्रोस्टेट स्वास्थ्य को नियमित स्वास्थ्य

संबंधी बातचीत का प्रमुख हिस्सा बनाने की जरूरत है। जोखिम, जांच और डॉक्टर से कब बात करनी चाहिए, इसके बारे में जागरूकता सूचित, व्यक्तिगत स्वास्थ्य देखभाल संबंधी निर्णयों की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहला कदम है।

हाल ही में हुए एक नए सर्वे में खुलासा हुआ है कि तेजी से बढ़ रहे प्रोस्टेट कैंसर को लेकर 84 प्रतिशत भारतीयों को यह पता ही नहीं है कि उनकी जांच हुई है या नहीं। डॉक?टरों का कहना है कि? जागरूकता की भारी कमी के कारण यह बीमारी खतरनाक रूप ले रही है।

कैंसर की बीमारियां आजकल तेजी से बढ़ रही हैं। एक कैंसर ऐसा भी है जो बेहद तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन अचंभे की बात ये है कि 84 फीसदी लोगों को यह पता ही नहीं है कि कभी उनकी जांच हुई है या नहीं। हाल ही में हुए एक सर्वे में इस बात का खुलासा हुआ है कि पुरुषों में होने वाले प्रोस्टेट कैंसर का इलाज तो तब होगा जब लोगों की



पुराने मकान की छत में दिखने लगी है सरिया? दोबारा लेंटर डलवाने की जरूरत नहीं, ऐसे हो जाएगी मरम्मत

अक्सर आपने देखा होगा कि घर की छतों पर से प्लास्टर निकल जाता है और सरिया दिखने लगता है। अगर आपके घर की छत में भी सरिया दिखाई देने लगी है, तो ऐसी स्थिति में क्या करना चाहिए। क्या दोबारा छत डलवाना सही रहेगा या फिर उसका भी कोई जुगाड़ है, तो चलिए इस रिपोर्ट में विस्तार से जानते हैं।

पुराने मकानों में समय के साथ छत की हालत खराब होने लगती है। कई बार लेंटर में दरारें दिखाई देने लगती हैं, प्लास्टर झड़ने लगता है और छत के अंदर लगी सरिया भी बाहर नजर आने लगती हैं। ऐसी स्थिति में मकान मालिकों को चिंता सताने लगती है कि कहीं पूरी छत दोबारा न बनवानी पड़े। अगर आपके घर की छत में भी सरिया दिखाई देने लगी है, तो ऐसी स्थिति में क्या करना चाहिए। क्या दोबारा छत डलवाना सही रहेगा या फिर उसका भी कोई जुगाड़ है, तो चलिए इस रिपोर्ट में विस्तार से जानते हैं।

बिना दोबारा लेंटर डाले कैसे हो सकती है मरम्मत ? राजमिस्त्री के मुताबिक, कुछ मामलों में पुराने लेंटर के ऊपर अतिरिक्त परत डालकर छत की मरम्मत की जा सकती है। इसके लिए जीरा गिट्टी, सरिया का जाल और कंक्रीट का इस्तेमाल करने का सुझाव दिया जाता है। उन्होंने 9म9 इंच के जाल में 10 एमएम की सरिया लगाने और उसके ऊपर ढलाई करने की बात कही। इसके बाद छत पर उचित ढलान बनाकर पानी की निकासी की व्यवस्था की जा सकती है, जिससे बारिश का पानी जमा न हो।

पूजा हो या कोई खास मौका, घर पर झटपट बनाएं भंडारे वाली कढ़ू की सब्जी, गरमा-गरम पूरी के साथ लगेगी लाजवाब



भंडारे में पूरी के साथ मिलने वाली खट्टी-मीठी कढ़ू की सब्जी का स्वाद ऐसा होता है कि लोग खाने ही रह जाते हैं। हल्के मसाले, सौंफ की खुशबू और गुड़ की मिठास इसके स्वाद को खास बना देती है। अगर आप भी घर पर भंडारे जैसी कढ़ू की सब्जी बनाना चाहते हैं, तो इसके लिए न तो ज्यादा सामान की जरूरत है और न ही प्याज-लहसुन की। कुछ साधारण चीजों और सही तरीके से आप ऐसी सब्जी तैयार कर सकते हैं, जिसका स्वाद गरमा-गरम पूरी के साथ और भी बढ़ जाएगा। जानिए कढ़ू की सब्जी बनाने के लिए क्या-क्या चाहिए और किस आसान तरीके से आप घर पर ही भंडारे वाला स्वाद पा सकते हैं।

भंडारे में पूरी के साथ मिलने वाली कढ़ू की सब्जी का स्वाद ही कुछ अलग होता है। हल्का खट्टा-मीठा स्वाद और मसालों की खुशबू इसे इतना स्वादिष्ट बना देती है कि मन करता है एक पूरी और खा लें। अच्छी बात यह है कि इस सब्जी को बनाने के लिए प्याज और लहसुन की जरूरत नहीं पड़ती। अगर आपको भी भंडारे वाली सब्जी पसंद है, तो इसे घर पर आसानी से बना सकते हैं। गरमा गरम पूरी के साथ इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है। आइये जानते हैं इसकी आसान रेसिपी।

इस सब्जी को बनाने के लिए 500 ग्राम कढ़ू, 2 टमाटर, 2 हरी मिर्च, 1 इंच अदरक, 2 बड़े चम्मच देसी घी या तेल, आधा चम्मच हल्दी पाउडर, 1 चम्मच धनिया पाउडर, आधा चम्मच सौंफ पाउडर, 1 चुटकी हींग, 1 चम्मच जीरा, आधा चम्मच गरम मसाला, 1 चम्मच गुड़ या चीनी, स्वादानुसार नमक और थोड़ा सा हरा धनिया ले लें।

चटपटे के शौकीनों की फेवरेट है जमशेदपुर की यह चाट, 30 में दही बड़ा, मटर और कुरकुरा खस्ता, सुबह 8 बजे से सजता स्टॉल



जमशेदपुर के साकची गोलचक्कर के पास राजू जी की खस्ता चाट बहुत मशहूर है। मात्र 30 रुपये में मिलने वाली इस चाट में कुरकुरे खस्ता, दही बड़े और मटर की सब्जी का शानदार स्वाद मिलता है। सुबह आठ बजे से रात के 9 बजे तक चाट का मजा लिया जा सकता है।

जमशेदपुर में खाने-पीने के शौकीनों की कमी नहीं है। यहां की गलियों में कई ऐसे स्वाद छिपे हैं, जो लोगों को बार-बार अपनी ओर खींच लाते हैं। इसी कड़ी में साकची गोलचक्कर के पास मिलने वाली

राजू जी की खस्ता चाट लोगों के बीच काफी मशहूर है। सुबह 8 बजे से ही राजू जी अपनी दुकान लगाते हैं, जहां चटपटा नाश्ता करने के लिए लोग पहुंचने लगते हैं। खास बात यह है कि यहां मात्र 30 रुपये में स्वाद से भरपूर खस्ता चाट का आनंद लिया जा सकता है।

चटपटे के शौकीनों की पसंदीदा चाट

राजू जी की इस चाट की खासियत इसका कुरकुरा खस्ता है, जिसे सुजी और मैदा से तैयार किया जाता है। इसे इस तरह बनाया जाता है कि खाने में यह काफी क्रिस्पी

और क्रंची लगता है। जब इसके साथ ठंडा-ठंडा दही बड़ा, गरमा-गरम मटर की सब्जी और घर में तैयार किया गया मसाला मिलता है, तो इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है। यही वजह है कि चटपटे नाश्ते के शौकीनों को यह चाट खूब पसंद आती है।

ऐसे बनती है यह खास चाट इसे तैयार करने का तरीका भी काफी खास है। सबसे पहले प्लेट में ठंडा-ठंडा दही बड़ा रखा जाता है। इसके ऊपर दो पीस कुरकुरे खस्ता डाले जाते हैं। फिर गरमा-गरम मटर की सब्जी डाली जाती है। इसके

बाद दो तरह की चटनी और उसके ऊपर से घर में तैयार किया गया मिक्स मसाला, नमक, जीरा और मिर्च मिलाई जाती है। आखिर में बारीक कटा प्याज और महीन सेव डालकर इसे खाने के लिए परोसा जाता है। इन सभी चीजों का मेल इस साधारण सी दिखने वाली चाट को खास बना देता है।

एक चाट में कई स्वाद इस चाट की सबसे बड़ी खासियत इसका अलग-अलग स्वाद है। एक तरफ दही बड़े का मीठा और ठंडा स्वाद मिलता है, तो दूसरी तरफ खस्ता का कुरकुरापन और मटर की गरमा-गरम सब्जी का चटपटापन मुंह में अलग ही स्वाद घोल देता है। प्याज, सेव और मसालों का जायका इसे और भी मजेदार बना देता है। हर चम्मच में स्वाद का एक नया मेल महसूस होता है, जो खाने के अनुभव को खास बना देता है।

30 रुपये में लें मजा अगर आप भी जमशेदपुर में सुबह-सुबह कुछ चटपटा और स्वादिष्ट खाने की तलाश में हैं, तो साकची गोलचक्कर के पास राजू जी की खस्ता चाट का स्वाद चख सकते हैं। यहां सिर्फ 30 रुपये में मिलने वाली यह चाट कम कीमत में शानदार स्वाद का अनुभव देती है।

आखिर जवाई में ऐसा क्या है? जहां लाखों में पहुंच जाता है एक रात का किराया, जानें लग्जरी का राज

अगर हम आपसे कहें कि राजस्थान के एक छोटे से इलाके में एक रात ठहरने का किराया 1 लाख से लेकर 2.5 लाख रुपये तक पहुंच जाता है, तो शायद आपको यकीन न हो। लेकिन यह बिल्कुल सच है। हम बात कर रहे हैं पाली जिले के जवाई लेपड कंजर्वेशन रिजर्व की, जो अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुका है। यहां अरावली की पहाड़ियों, प्राकृतिक गुफाओं और खुले जंगलों के बीच तेंदुओं को करीब से देखने का रोमांच पर्यटकों को खींच लाता है। खास बात यह है कि जवाई में जंगल सफारी के साथ लग्जरी कैप और प्रीमियम रिसॉर्ट्स का ऐसा अनुभव मिलता है, जहां एक रात का किराया देश के महंगे लग्जरी होटलों को भी टक्कर देता है। यही वजह है कि विंटर सीजन में यहां देशी-विदेशी पर्यटकों की मांग बढ़ जाती है और कमरों की कीमतें भी आसमान छूने लगती हैं।



महीना दस्तक देता है और गुलाबी ठंड की शुरुआत होती है, जवाई के सुपर-लक्जरी रिजॉर्ट्स और लग्जरी ग्लैम्पिंग साइट्स की दुनिया पूरी तरह बदल जाती है। अक्टूबर से लेकर 31

दिसंबर (न्यू ईयर) तक यहां का ‘प्रीमियम टूरिज्म सीजन’ रहता है, जहां देश-विदेश के अरबपतियों, बॉलीवुड सेलिब्रिटीज, देश के बड़े-बड़े उद्योगपतियों और रॉयल

फैमिलीज का तांता लगा रहता है। जवाई केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि एक ऐसा अनूठा स्थान है जहां ईसान और तेंदुए सदियों से एक शांत सह-अस्तित्व की मिसाल पेश

कर रहे हैं। यहां ग्रेनाइट की विशाल पहाड़ियों, गुफाओं और बहती नदी के बीच बिना किसी पिंजरे या बाधा के खुले में तेंदुओं को देखना एक ऐसा रोमांच है, जो दुनिया में शायद ही कहीं और मिलता है। यहां की बिलावड़ और मारवाड़ की संस्कृति, ग्रामीण परिवेश और बन्‍यजीव प्रेमियों के लिए जवाई किसी जन्‍मत से कम नहीं है।

यही कारण है कि सीजन शुरू होते ही यहां के रूम्स और लग्जरी टेंट की डिमांड आसमान छूने लगती है। स्थिति यह हो जाती है कि महीनों पहले ही बुकिंग फुल हो जाती है। यहां के टेंट्स और विला में ठहरने वाले मेहमानों को जंगल के बीचों-बीच राजा-महाराजाओं जैसी सुख-सुविधाएं, प्राइवेट पूल, जेडब्लू मैरियट या ताज जैसे ग्रुप्स का आतिथ्य और प्रकृति के बेहद करीब रहने का बेजोड़ अनुभव मिलता है। आम दिनों में सामान्य बजट में मिलने वाले होटल के कमरे पर्यटन

सीजन में महंगे हो जाते हैं। अक्टूबर की शुरुआत के साथ ही माउंट आबू में होटल किराए बढ़ने लगते हैं। जैसे-जैसे दिसंबर में क्रिसमस और न्यू ईयर का समय नजदीक आता है, कमरों की कीमतें आसमान छूने लगती हैं। पीक सीजन में कई होटलों के किराए इतने बढ़ जाते हैं

कि वे देश के महंगे पर्यटन स्थलों को भी टक्कर देने लगते हैं। सुजान जवाई में एक रात ठहरने का किराया 1 लाख 9 हजार रुपये से शुरू होकर 2 लाख 60 हजार रुपये तक पहुंच जाता है। वहीं, ब्रिज पोला जवाई लग्जरी जंगल कैंप में भी अक्टूबर से ही

कीमतें बढ़ने लगती हैं। प्राइवेट पूल और लग्जरी सुविधाओं वाले इस कैंप में एक रात का शुरुआती किराया 1 लाख 9 हजार रुपये है। पर्यटन सीजन और बढ़ती मांग के साथ यहां ठहरना आम पर्यटकों के लिए काफी महंगा साबित हो सकता है।



'बिग बॉस 19' में लोगो की साइकोलॉजी समझना था सबसे बड़ा चैलेंज : फरहाना भट्ट

मुंबई। बिग बॉस 19 में रनर-अप रहीं अभिनेत्री फरहाना भट्ट हाल ही में सोशल मीडिया पर्सनैलिटी अभिषेक मल्हन (फुकरा इंसान) के साथ नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' पर गई थीं। शो में हुई बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने 'बिग बॉस' में लोगो की साइकोलॉजी को समझने और अचानक आने वाली स्थितियों से निपटने की चुनौतियों के बारे में बात की।

बिना प्लान के हर परिस्थिति का किया सामना

'बिग बॉस 19' में अपने समय के बारे में बात करते हुए फरहाना ने बताया, "यह अनुभव उनके लिए चुनौतीपूर्ण था, खासकर इसलिए क्योंकि उन्होंने पहले कभी इस तरह का शो न तो देखा था और न ही अनुभव किया था। उन्होंने कहा, "कश्मीर से आने के कारण, मेरे लिए लोगो, उनकी सोच और आसपास जो हो रहा है उसे समझना काफी चुनौतीपूर्ण था। मैंने पहले कभी भी इस तरह का शो न तो कभी देखा था और न ही किया था। इसलिए मुझे सच में नहीं पता था कि मुझे क्या करना है। इसलिए मैं, बिना प्लान के हर परिस्थिति का सामना बस करती गई।

रिश्ते और विवाद रहे चर्चा में

एक्ट्रेस फरहाना भट्ट का 'बिग बॉस 19' का सफर काफी उतार-चढ़ाव भरा और चर्चाओं में रहा था। शो के दौरान अमाल मलिक, नेहल चुडासमा और कुनिाव सदानंद के साथ उनके रिश्ते काफी चर्चित रहे थे। कभी गहरी दोस्ती, तो कभी तीखी नोकझोंक देखने को मिली थी। कड़े मुकाबले और कई विवादों का सामना करते हुए फरहाना 'बिग बॉस 19' की फर्स्ट रनर-अप बनीं और अभिनेता गौरव खन्ना ने 'बिग बॉस 19' की ट्रॉफी अपने नाम की थी।



“मुझे नहीं पता था कि स्क्रीन पर मुझे किस तरह से दिखाया जा रहा है या मुझे दर्शक किस तरह से देख रहे हैं। बिना किसी तय प्लान के जाने से बिग बॉस में मेरा सफर और भी ज्यादा मुश्किल हो गया था।

— फरहाना भट्ट

पहले हफ्ते में ही घर से निकाला

फरहाना ने बताया, "पहले हफ्ते में ही लोगों ने मिलकर मुझे घर से निकाल दिया था और मुझे सीक्रेट रूम में रखा गया था, घर के अंदर के लोगों के लिए मेरा गुस्सा दोगुना हो गया था। क्योंकि मुझे लगा कि घर के अंदर रहने का मेरा यही तरीका है, क्योंकि बाहर से मैं किसी को भी नहीं जानती थी।"



‘तुम मेरे हो’ से प्रोड्यूसर बनीं देबीना, बोली-आइडिया गुरमीत का था मैंने सिर्फ साथ दिया



विश्व केसरी। मुंबई। अभिनेत्री देबीना बनर्जी आगामी रोमांटिक-ड्रामा फिल्म 'तुम मेरे हो' के जरिए फिल्म निर्माता के तौर पर डेब्यू करने जा रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि

फिल्म बनाने का आइडिया उनके पति और अभिनेता गुरमीत चौधरी का था, उन्होंने बस उनका साथ दिया है।

दरअसल, अभिनेत्री ने पति गुरमीत चौधरी के साथ मिलकर

अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस 'देवगुरु फिल्मस्' शुरू किया है और इस बैनर तले पहली फिल्म 'तुम मेरे हो' रिलीज होने जा रही है।

मीडिया के साथ बातचीत में अभिनेत्री देबीना बनर्जी ने बताया कि उनके पति और अभिनेता गुरमीत चौधरी अपने हिसाब से फिल्में करना चाहते थे, और इसी वजह से उन्होंने खुद की फिल्में बनाने का फैसला लिया।

उन्होंने कहा, "फिल्म बनाने का आइडिया गुरमीत के दिमाग में आया था। मैं बस उसे देख रही थी और वह काफी बेचैन था, क्योंकि वह जानता था कि उसे किस तरह की फिल्म करनी है। वह एक रोमांटिक हीरो है, लेकिन जब भी उसे ओटीटी या कहीं और काम मिल रहा था, तो उसमें काफी एक्शन होता था। गुरमीत को एक्शन भी पसंद है, लेकिन उसका एक खूबसूरत रोमांटिक साइड भी है। उसकी आंखें, उसका चेहरा सब कुछ बोलता है। इसलिए उसे लगा

कि जिस तरह की स्क्रिप्ट वह ढूंढ रहा था, वह उसे नहीं मिल रही थी। जब आपको वह नहीं मिलता जो आप चाहते हैं, तो बहुत कम लोगों में इसे अपने लिए बनाने की हिम्मत होती है। अभिनेत्री ने आगे और लोकेशन समेत हर छोटी-बड़ी चीज का ध्यान रखना होता है।

उन्होंने आगे कहा, "आप कभी यह नहीं कह सकते कि नहीं, यह प्रोड्यूसर का काम नहीं है। एक प्रोड्यूसर के तौर पर आपको अलग-अलग डिपार्टमेंट, अलग-अलग चीजें संभालनी पड़ती हैं, लेकिन जब भी कोई गड़बड़ होती है, तो आपको ही आगे आकर उसे सुलझाना पड़ता है।

फेज हैं, जहां आप बस अपनी चीजों का ध्यान रखते हैं और अपना काम काम करके निकल जाते हैं, लेकिन एक प्रोड्यूसर के तौर पर, आपको स्क्रिप्ट, सबके शेड्यूल, डेट्स, कॉस्ट्यूम्स, बजट और लोकेशन समेत हर छोटी-बड़ी चीज का ध्यान रखना होता है।

उन्होंने आगे कहा, "आप कभी यह नहीं कह सकते कि नहीं, यह प्रोड्यूसर का काम नहीं है। एक प्रोड्यूसर के तौर पर आपको अलग-अलग डिपार्टमेंट, अलग-अलग चीजें संभालनी पड़ती हैं, लेकिन जब भी कोई गड़बड़ होती है, तो आपको ही आगे आकर उसे सुलझाना पड़ता है।

‘मेरे को-एक्टर्स पर ज्यादा जिम्मेदारी थी’, ‘हुंकार-द रोर’ की शूटिंग पर जोया हुसैन का खुलासा

विश्व केसरी। मुंबई। एक्ट्रेस जोया हुसैन इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई स्ट्रीमिंग सीरीज 'हुंकार-द रोर' को मिल रहे पॉजिटिव रिव्यूज को लेकर चर्चा में हैं। सीरीज में काम को लेकर उन्होंने बताया कि इस प्रोजेक्ट में उनके को-एक्टर्स के मुकाबले उन पर कम जिम्मेदारी थी, इसलिए उनके लिए किरदार से खुद को अलग करना आसान रहा।

जोया हुसैन ने आईएनएस से बात करते हुए कहा, "इस प्रोजेक्ट में मेरे लिए अपने किरदार में जाना और उससे बाहर निकलना मुश्किल नहीं था। कम से कम मेरे लिए यह मेरे को-एक्टर्स के मुकाबले काफी आसान था, क्योंकि मेरे ऊपर उतनी जिम्मेदारी का बोझ नहीं था। उन्हें मुझसे कहीं ज्यादा काम करना था।"

जोया ने कहा, "हालांकि, हर प्रोजेक्ट में ऐसा नहीं होता। किसी किरदार से बाहर निकलना इस बात पर निर्भर करता है कि उसका इमोशनल असर कितना गहरा है और उस दिन की शूटिंग कैसी रही। कभी-कभी किरदार बहुत गंभीर और भावनात्मक रूप से भारी होता है, लेकिन अगर दिन हल्का रहा हो, तो उसे पीछे छोड़ना आसान हो जाता है। यह पूरी तरह हर कलाकार के अनुभव और परिस्थिति पर निर्भर करता है।"

जोया हुसैन ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी अपनी बात



रखी। उन्होंने कहा, "इस मामले में कई स्तरों पर गलतियां हुई हैं और महिलाओं की सुरक्षा की समस्या सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनियाभर में देखने को मिलती है। कहीं भी ऐसी कोई जगह नहीं है, जिसके बारे में पूरे भरोसे के साथ कहा जा सके कि वह महिलाओं के लिए पूरी तरह सुरक्षित है। यह समस्या अलग-अलग क्षेत्रों, पेशों, देशों और सामाजिक वर्गों में देखने को मिलती है।"

एक्ट्रेस ने कहा, "पिछले 50, 60, 70 और 100 सालों में

महिलाओं की स्थिति में बदलाव जरूर आया है। आज महिलाओं के पास पहले के मुकाबले ज्यादा अधिकार हैं और उन्हें आगे बढ़ने के बेहतर मौके भी मिल रहे हैं। इसके बावजूद हालात अभी आदर्श नहीं हैं और महिलाओं की सुरक्षा के मामले में काफी कुछ किया जाना बाकी है।"

'हुंकार-द रोर' में जोया हुसैन के साथ फातिमा सना शेख और रघुवीर यादव भी अहम किरदारों में हैं। सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम है।

‘दबाव तब बढ़ता है, जब उम्मीदें ज्यादा होती हैं’, रणवीर बरार ने बताया कैसे करते हैं प्रेशर का सामना



विश्व केसरी। मुंबई। सेलिब्रिटी शेफ और एक्टर रणवीर बरार इन दिनों अपने क्विज शो 'यस शेफ' को लेकर चर्चा में हैं। एक प्रोफेशनल शेफ के तौर पर वह लंबे समय से ऐसे माहौल में काम करते आए हैं, जहां तेजी से काम करना और मुश्किल हालात के बीच खुद को शांत रखना जरूरी होता है।

रणवीर का कहना है कि किचन में काम करने के अनुभव ने उन्हें दबाव से निपटना सिखाया है। जब इंसान यह समझ लेता है कि हर चीज उसके कंट्रोल में नहीं है, तो वह दबाव को बेहतर तरीके से संभाल सकता है।

मीडिया ने जब पूछा कि शेफ की ज़िंदगी में प्रेशर कितना आम है, तो रणवीर बरार ने जवाब देते हुए कहा, "शेफ के तौर पर हमें दबाव की आदत हो जाती है। हमारा माहौल प्रेशर कुकर जैसा होता है। 'द ट्रेडर्स' में भी लोगों ने मुझसे कहा था कि इतने सारे लोग रो रहे हैं, लेकिन आपको कोई फर्क नहीं पड़ रहा। आप इतने शांत कैसे रह सकते हैं?"

रणवीर ने आगे कहा, "एक बड़े किचन में करीब 600 कुक एक साथ काम कर रहे होते हैं। कोई इधर भाग रहा होता है, तो कोई उधर। ऐसे में अगर मैं भी बाकी लोगों की तरह भागने लगूं, तो काम

ठीक से नहीं हो पाएगा। शेफ के तौर पर काम करने से मैंने सीखा है कि मुश्किल हालात में घबराने के बजाय शांत रहना ज्यादा जरूरी है।"

उन्होंने कहा, "दबाव से निपटने का एक हिस्सा अनुभव से आता है, जबकि दूसरा हिस्सा इस बात को समझने से जुड़ा है कि हर चीज हमारे हाथ में नहीं होती। जब इंसान हर चीज को कंट्रोल करने की कोशिश छोड़ देता है, तो उसका दबाव भी कम होने लगता है।"

रणवीर ने अपने उस्ताद से मिली सीख का जिक्र करते हुए कहा, "मेरे उस्ताद ने मुझे सिखाया था कि खाना बनाना मूल रूप से आग जलाने जैसा है, जिसमें इंसान सिर्फ मदद करता है। ऐसे में अगर कोई खुद को आग या खाने से ज्यादा बड़ा समझने लगे, तो वह बेवजह अपने ऊपर दबाव बढ़ा लेता है।"

रणवीर ने कहा, "सबसे बड़ा दबाव उम्मीदों का होता है। जब हम अपने दिमाग में खुद को बहुत बड़ा बना लेते हैं, तो दबाव भी बढ़ जाता है। अगर हम अपने दिमाग में खुद को छोटा रखें, तो दबाव नहीं रहता।"

उन्होंने कहा, "कई बार मुश्किल हालात से ज्यादा हमारी अपनी उम्मीदें हमें परेशान करती हैं। जब हम हर काम में परफेक्ट होने या हर चीज अपने हिसाब से करने की कोशिश करते हैं।

टिवशा शर्मा डेथ केस : सुप्रीम कोर्ट ने भोपाल की अदालत में सुनवाई पर लगाई रोक, सीबीआई और आरोपियों को नोटिस

विश्व केसरी। नई दिल्ली। पूर्व मॉडल और अभिनेत्री टिवशा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अहम कदम उठाया है। टिवशा के पिता की ओर से मामले की सुनवाई भोपाल से दिल्ली ट्रांसफर करने की मांग वाली याचिका पर शीर्ष अदालत ने सीबीआई, गिरिबाला सिंह और समर्थ सिंह को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने भोपाल की निचली अदालत में चल रही सुनवाई पर अंतरिम रोक लगा दी है।

टिवशा के पिता ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए मांग की है कि मामले की सुनवाई भोपाल के बजाय दिल्ली में कराई जाए। याचिका पर अदालत ने संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है। वहीं, निचली अदालत की सुनवाई पर अंतरिम रोक लगा दी।

दरअसल, भोपाल में टिवशा शर्मा की मौत के मामले ने उस समय तूल पकड़ा, जब उनके परिवार ने घटना को लेकर सवाल



उठाए और निष्पक्ष जांच की मांग की। टिवशा के जरिए हुई थी और दोनों की शादी दिसंबर 2025 में हुई थी। वह 12 मई को भोपाल स्थित अपने ससुराल में मृत पाई गई थीं।

उनकी मौत के बाद मायके वालों ने टिवशा के पति और ससुराल पक्ष के लोगों

मुलाकात समर्थ सिंह से मैट्रिमोनियल साइट के जरिए हुई थी और दोनों की शादी दिसंबर 2025 में हुई थी। वह 12 मई को भोपाल स्थित अपने ससुराल में मृत पाई गई थीं। उनकी मौत के बाद मायके वालों ने टिवशा के पति और ससुराल पक्ष के लोगों

पर दहेज उत्पीड़न और गंभीर मानसिक यातना देने का आरोप लगाया। टिवशा के पिता नवनिधि शर्मा ने दावा किया था कि पति समर्थ का व्यवहार शादी से पहले ही ठीक नहीं था और हनीमून के दौरान भी उनकी बेटी के साथ बुरा बर्ताव हुआ था। वहीं, सास और पूर्व जज गिरिबाला सिंह भी दहेज के लिए उसे परेशान करती थी।

टिवशा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसके सिर, कान और हाथ पर चोट के निशानों की पुष्टि हुई थी। ये चोटों मौत से पहले लगी थीं। मामले में पति समर्थ सिंह और सास गिरिबाला सिंह को गिरफ्तार किया गया। वहीं, अपनी जमानत याचिका में गिरिबाला ने बहू पर गंभीर आरोप लगाए। आवेदन में दावा किया गया कि उसे ड्रस की लत थी और नशा नहीं मिलने पर उसका व्यवहार असामान्य हो जाता था।

वहीं, टिवशा के भाई हर्षित शर्मा ने बताया कि टिवशा बहुत परेशान थी और उसने अपनी बेबसी जाहिर करते हुए नोएडा वापस आने की इच्छा जाहिर की थी।

भारत और रूस के बीच संयुक्त नौसैनिक अभ्यास ‘इंद्र’ के समुद्री चरण की तैयारियां पूरी

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। भारत और रूस के बीच संयुक्त नौसैनिक अभ्यास इंद्र का समुद्री चरण शुरू होने जा रहा है। रूस में हो रहे इस अभ्यास के समुद्री चरण की तैयारियां पूरी हो गई हैं। यह अभ्यास 18 अक्टूबर तक जारी रहेगा। इसके लिए भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएएस सद्माद्रि और रूसी नौसेना के युद्धपोत अल्वार त्सिदेनझापोव की संचालन टीमों के बीच योजना सम्मेलन आयोजित किया गया।

इसमें रूसी बेड़े के वरिष्ठ नौसैनिक अधिकारियों ने भी भाग लिया। यहां समुद्री अभ्यास के लिए व्यापक कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। इस दौरान दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच समुद्र में होने वाली गतिविधियों की योजना पर चर्चा हुई। समुद्री अभ्यास से पहले दोनों देशों की नौसेना ने बंदरगाह में आयोजित अभ्यास का पहला चरण पूरा किया है। इसका उद्देश्य आगामी समुद्री गतिविधियों के लिए दोनों पक्षों के बीच समन्वय स्थापित करना था।



इस बंदरगाह यात्रा के दौरान आईएएस सद्माद्रि के प्रतिनिधिमंडल ने रूसी बेड़े की मिश्रित सेनाओं के प्रिमोर्सकी फ्लोटिला के कमांडर वाइस एडमिरल ए. वाई. सिसुएव के साथ औपचारिक बैठक भी की। भारत और रूस की मजबूत दोस्ती को और आगे बढ़ाते हुए 13 अक्टूबर से यह अभियान शुरू हुआ था। इस अभ्यास के दौरान भारत-रूस की

पुरानी रक्षा साझेदारी को और अधिक मजबूती मिलेगी।

18 अक्टूबर तक चलने वाले इस नौसैनिक अभ्यास का उद्देश्य भारत व रूसी नौसेनाओं के बीच तालमेल बढ़ाना है। साथ दोनों नौसेनाएं एक-दूसरे के संचालन तरीकों को समझ रही हैं और समुद्र में मिलकर काम करने की क्षमता को मजबूत कर रही हैं। यहां

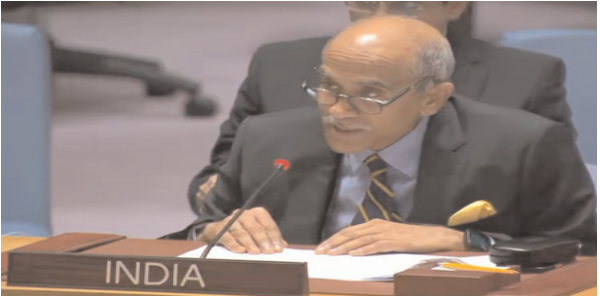
दोनों देशों के बीच बंदरगाह से समुद्र तक तालमेल स्थापित किया जा रहा है।

‘इंद्र-2026’ के तहत दो अलग-अलग चरण आयोजित किए जा रहे हैं। पहले चरण में बंदरगाह पर विभिन्न गतिविधियां हुईं। इस दौरान पेशेवर बातचीत और समुद्री गतिविधियों के माध्यम से दोनों नौसेनाओं ने अपने अनुभव साझा किए। इससे संयुक्त अभियानों के दौरान बेहतर तालमेल बनाने में मदद मिली। इसके बाद अब दोनों देशों की नौसेनाएं समुद्र में मिलकर अभ्यास करने जा रही हैं।

गौरतलब है कि बीते दिनों भारत और रूस के बीच नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण वार्ता हुई थी। यह दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को गति देने की दिशा में एक अहम बैठक थी। बैठक में दोनों देशों ने मौजूदा सैन्य-तकनीकी सहयोग की समीक्षा की गई। इसके साथ-साथ रक्षा उपकरणों के संयुक्त उत्पादन और संयुक्त विकास की नई संभावनाओं पर भी चर्चा की गई।

खाड़ी क्षेत्र में तनाव का बातचीत और कूटनीति ही समाधान: पी. हरीश

विश्व केसरी■
संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने एक बार फिर पूरे खाड़ी क्षेत्र में जारी संघर्ष को तुरंत रोकने की अपील की है। भारत का कहना है कि बढ़ता तनाव न केवल क्षेत्र की स्थिरता को प्रभावित कर रहा है, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था और वहां रहने वाले लाखों भारतीयों पर भी इसका असर पड़ रहा है।



संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में मध्य पूर्व की स्थिति पर आयोजित तिमाही खुली बहस के दौरान कहा कि मौजूदा संघर्ष को तुरंत कम किया जाना चाहिए और इसका समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिए निकाला जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, ‘मध्य पूर्व की सुरक्षा, स्थिरता और शांति में भारत की बहुत बड़ी हिस्सेदारी है। इस क्षेत्र के साथ हमारे राजनीतिक,

आर्थिक, निवेश, ऊर्जा और लोगों के आपसी संबंध बेहद मजबूत हैं। हरीश ने बताया कि केवल गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) के छह देशों के साथ ही भारत का सालाना व्यापार करीब 180 अरब डॉलर का है। इसके अलावा इन देशों से 31 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया है और वहां से भारत आने वाली सालाना रেমिटेंस (विदेश से भेजी जाने वाली रकम) 52 अरब डॉलर से अधिक है। उन्होंने कहा कि खाड़ी देशों में रहने वाले करीब एक करोड़ भारतीयों की सुरक्षा, सलाहमती और भलाई भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यह दोनों पक्षों के रिश्तों का अहम हिस्सा है। भारत के लिए समुद्री मार्गों और नाविकों की सुरक्षा भी प्राथमिकता है। व्यावसायिक जहाजों और नाविकों पर होने वाले सभी हमले कानूनी और नैतिक रूप से गलत हैं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में नौवहन की स्वतंत्रता और समुद्री व्यापार का सुरक्षित एवं निर्बाध संचालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

संक्षिप्त खबर

रूस में भूकंप के जबरदस्त झटके, रिक्टर स्केल पर 6.9 दर्ज की गई तीव्रता

विश्व केसरी■
मॉस्को। रूस के कामचटका प्रायद्वीप क्षेत्र में शुक्रवार तड़के भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रूस की विज्ञान अकादमी की भूभौतिकी सेवा की काचचटका शाखा के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.9 दर्ज की गई। भूकंप के कारण हुए नुकसान या हाताहतों के बारे में किलोमीटर के तौर पर अपने घरों और शुरुआती आकलन के अनुसार यह 52.01 डिग्री उत्तरी अक्षांश तथा 157.25 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। रूसी समाचार एजेंसी ‘टास’ की रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप के झटके महसूस होने के बाद क्षेत्रीय प्रशासनिक केंद्र के कई निवासी एहतियात के तौर पर अपने घरों और अपार्टमेंट से बाहर निकल आए। रिहायशी इमारतों के अंदर झूमर और लाइटें जोर-जोर से हिलने लगीं। स्थानीय लोगों ने बताया कि भूकंप के झटके साफ तौर पर महसूस हुए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्थानीय समयानुसार दोपहर 3:35 बजे आए ये झटके करीब एक मिनट तक जारी रहे।



फिटजी केस में ईडी की चार्जशीट दाखिल, 71.88 करोड़ की संपत्ति जब्त करने की मांग

विश्व केसरी■
लखनऊ। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के लखनऊ जोनल कार्यालय ने फिटजी लिमिटेड और उसके डायरेक्टर्स दिनेश कुमार गोयल व मोनिला गोयल के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में चार्जशीट दाखिल की है। ईडी ने शुक्रवार को गाजियाबाद की स्पेशल पीएमएलए कोर्ट में अभियोजन शिकायत दायर की है और जांच के दौरान जब्त और अस्थायी रूप से कुर्क की गई 71.88 करोड़ रुपये की संपत्तियों को जब्त करने और दोषसिद्धि की मांग की है। ईडी की जांच यूपी पुलिस द्वारा नोएडा और ग्रेटर नोएडा में और मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा भोपाल में दर्ज चार एफआईआर के आधार पर शुरू हुई थी। एफआईआर में आरोप है कि फिटजी ने जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए दो से चार साल के कोचिंग प्रोग्राम के लिए प्रति छात्र 2.8 लाख से 3.5 लाख रुपये तक की फीस एक्वायर्स में ली थी, यह भरोसा देकर कि पूरी कोर्स कराया जाएगा। लेकिन वेतन न मिलने के कारण फैकल्टी चली गई और बिना किसी पूर्व सूचना के सेंटर अचानक बंद कर दिए गए। आरोप यह भी है कि मैनेजमेंट ने फीस का डायवर्जन किया और फैकल्टी के जाने के बाद भी झूठे आश्वासन देकर नए छात्रों से फीस वसूलना जारी रखा। नोएडा पुलिस ने इस मामले में चार्जशीट दाखिल की है, जिसमें दिनेश कुमार गोयल और मोनिला गोयल को आरोपी बनाया गया है। चार्जशीट करीब 300 पीडिटों, फिटजी कोचिंग सेंटर के ऑपरेटर्स और अन्य गवाहों के बयानों के साथ-साथ फीस रसीदों और जांच में मिले अन्य सबूतों पर आधारित है।



जेलेन्स्की और मैक्रों की वार्ता में यूक्रेन को हर जरूरी मदद देने का वादा

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेन्स्की से वार्ता की। उन्होंने शांति हासिल करने की यूक्रेन की कोशिश को समर्थन देते रहने की बात कही। उन्होंने कहा कि रूस मोर्चे पर फंस गया है और तनाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, ऐसे में फ्रांस यूक्रेन की रक्षा और स्थायी शांति के प्रयासों में साथ खड़ा रहेगा।

राष्ट्रपति इमैनुएल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर पोस्ट में लिखा, ‘रात मैंने राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेन्स्की से दोबारा बात की और उन्हें भरोसा दिलाया कि फ्रांस यूक्रेन और वहां के लोगों के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। रूस ने मोर्चे पर आ रही मुश्किलों के बीच हालात को और गंभीर बनाने का रास्ता चुना है। ऐसे समय में यह बेहद जरूरी है कि हम सभी मिलकर यूक्रेन को अपनी रक्षा करने और अपने नागरिकों तथा जरूरी बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए हर जरूरी मदद और संसाधन उपलब्ध कराएं।’



उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा, ‘मैंने यह भी दोहराया कि फ्रांस यूक्रेन को एक मजबूत और स्थायी शांति हासिल करने की उसकी कोशिश में लगातार समर्थन देता रहेगा। फ्रांस अपनी जिम्मेदारियां निभाता रहेगा और यूक्रेन के साथ खड़ा रहेगा।’

राष्ट्रपति जेलेन्स्की ने इमैनुएल मैक्रों के साथ बातचीत को महत्वपूर्ण बताया। जेलेन्स्की ने कहा कि हम इस बात की सराहना करते हैं कि रूस की बढ़ती आक्रामकता का समाधान खोजने के लिए फ्रांस अपनी ओर से पूरी कोशिश कर रहा है। उन्होंने ‘एक्स’ पोस्ट में लिखा, ‘हमारी बैठक के दौरान ही रूस ने तुल्स्क में यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे पर एक और ड्रोन हमला किया।

इस हमले के कारण शहर में बिजली गुल हो गई। दुर्भाग्य से, हाल के दिनों में रूस की ओर से इस तरह के लगातार और खुलेआम किए गए हमले लगभग बिना रुके जारी हैं।’

जेलेन्स्की ने कहा कि रूस ने अमेरिकी राष्ट्रपति के उस प्रस्ताव को भी नजरअंदाज कर दिया है, जिसमें ऊर्जा ढांचे पर हमले रोकने और संघर्षविराम का आह्वान किया गया था।

झारखंड में 108 एंबुलेंस सेवा के पहिए थमे, चालक और कर्मचारी 40 घंटे की हड़ताल पर

विश्व केसरी■
रांची। झारखंड में 108 आपातकालीन एंबुलेंस सेवा से जुड़े चालकों और इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियनों का आंदोलन तेज हो गया है। लंबित वेतन के भुगतान, बर्खास्त कर्मचारियों की बहाली और अन्य मांगों को लेकर कर्मचारियों ने गुरुवार रात आठ बजे से 40 घंटे की सांकेतिक कार्यबंदी शुरू की है। यह शनिवार, 17 अक्टूबर की सुबह आठ बजे तक जारी रहेगी।

इस बीच, कर्मचारी शुक्रवार को रांची के नामकुम स्थित राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) कार्यालय के सामने धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं।

झारखंड प्रदेश एंबुलेंस कर्मचारियों संघ के अनुसार, कर्मचारियों का जुलाई 2026 से वेतन बकाया है। भुगतान में देरी के कारण उन्हें आर्थिक परेशानियों का



सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारी बर्खास्त या सेवा से हटाए गए कर्मियों की बहाली, श्रम विभाग के निर्धारित न्यूनतम वेतन, ईपीएफ और ईएसआई जैसी वैधानिक सुविधाओं, ओवरटाइम भुगतान तथा नौकरी की सुरक्षा की मांग भी कर रहे हैं।

कर्मचारी संघ की मांग है कि 108 एंबुलेंस सेवा का संचालन निजी एजेंसियों के बजाय जिला स्तर पर सिविल सर्जन के माध्यम से किया जाए और वेतन का भुगतान सिधे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन करे।

कर्नाटक: अंबेडकर विकास निगम में 14.95 करोड़ रुपये की वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप

विश्व केसरी■
बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा नेता आर. अशोक ने शुक्रवार को राज्य की कांग्रेस सरकार पर डॉ. बी.आर. अंबेडकर विकास निगम (एडीसीएल) में वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि अनुसूचित जाति के कल्याण के लिए निर्धारित 14.95 करोड़ रुपये की राशि फर्जी बैंक खातों, जाली दस्तावेजों और समय से पहले सावधि जमा (एफडी) बंद करारक कथित तौर पर हड़प ली गई।

एक बयान में अशोक ने महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में कथित धोचाले का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि तजा मामला कर्नाटक सरकार के तहत वित्तीय धोखाधड़ी की एक और घटना को उजागर करता है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की



14 अक्टूबर की प्रेस विज्ञप्ति का हवाला देते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि अंबेडकर विकास निगम की राशि को फर्जी लेनदेन के जरिए दूसरी जगह भेजा गया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता पर सवाल उठाते हुए अशोक ने पूछा कि क्या इस तरह की कथित वित्तीय अनियमितताएं उनके ‘न्याय’ के विचार के अनुरूप हैं।

अशोक ने आरोप लगाया, ‘राहुल गांधी राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक न्याय की बात करते हैं,

जबकि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के कल्याण के लिए निर्धारित धन के कथित दुरुपयोग के आरोप लग रहे हैं। उन्होंने कथित तौर पर सार्वजनिक धन और वंचित समुदायों के कल्याण के लिए निर्धारित राशि के गबन पर कांग्रेस नेतृत्व की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। भाजपा नेता ने कहा कि उनकी पार्टी जवाबदेही और पारदर्शिता की मांग जारी रखेगी और कथित धोचालों में शामिल लोगों को न्याय के कटघरे में लाने तक पीछे नहीं हटेगी।

यूपी में नारी शक्ति का जल संकल्प, 5 लाख महिलाओं ने की 1.43 करोड़ जल नमूनों की जांच

विश्व केसरी■
लखनऊ। नवरात्र में नारी शक्ति के समर्थन और संकल्प की चर्चा के बीच उत्तर प्रदेश के गांवों में महिलाएं हर घर तक पहुंच रहे पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभा रही हैं। जल जीवन मिशन के तहत प्रशिक्षित करीब पांच लाख महिलाएं फील्ड टेस्ट किट (एफटीके) के माध्यम से पानी की शुद्धता को जांच कर रही हैं।

सुजलाम शक्ति समूह के रूप में संगठित ये महिलाएं गांव-गांव में पेयजल की गुणवत्ता पर नजर रखने के साथ ग्रामीणों को सुरक्षित पानी के उपयोग और जल संरक्षण के प्रति



जागरूक भी कर रही हैं। महिलाओं की इस भागीदारी से गांवों में पेयजल गुणवत्ता की निगरानी व्यवस्था मजबूत होने के साथ उन्हें आय अर्जित करने का अवसर भी मिल रहा है। जल जीवन मिशन के तहत प्रदेश में हर घर पहुंच रहे पेयजल की गुणवत्ता पर नजर रखने के लिए गांव स्तर पर मजबूत तंत्र तैयार किया गया है। इसके तहत करीब पांच

लाख महिलाओं को फील्ड टेस्ट किट (एफटीके) के माध्यम से पेयजल गुणवत्ता जांच का प्रशिक्षण दिया गया है।

जल जीवन मिशन 1.0 में प्रत्येक राजस्व गांव से पांच महिलाओं को जल गुणवत्ता परीक्षण के लिए प्रशिक्षित किया गया था। अब यही प्रशिक्षित महिलाएं जल जीवन मिशन 2.0 के तहत सुजलाम शक्ति समूह के रूप में गांवों में पेयजल गुणवत्ता की निगरानी कर रही हैं। एफटीके के जरिए जल गुणवत्ता जांच का बड़ा नेटवर्क तैयार हुआ है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2026-27 तक कुल 1,43,21,260 जल नमूनों का परीक्षण किया गया है।

भारतीय नौसेना का ‘समर्थक’, स्वदेशी हथियारों, सेंसर्स और मानवरहित प्रणालियों का होगा परीक्षण

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। भारतीय नौसेना को उसका पहला स्वदेशी बहुउद्देशीय युद्धपोत ‘समर्थक’ मिल गया। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने गुरुवार को इसे नौसेना में शामिल किया। यह युद्धपोत नए हथियारों, सेंसर और मानवरहित प्रणालियों के परीक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसकी एक खास बात यह है कि इसमें 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल किया गया है।

कर्नाटक के कारवार में ‘समर्थक’ को नौसेना में शामिल किया गया। इसका निर्माण लार्सन



एंड टुब्रो के पोत निर्माण केंद्र में बनाया गया पहला प्रमुख युद्धपोत है। इसका नौसेना में शामिल होना देश के निजी पोत निर्माण उद्योग की बढ़ती क्षमता और स्वदेशी युद्धपोत निर्माण की दिशा में हुई प्रगति को दर्शाता है। ‘समर्थक’ युद्धपोत को ऐसे बहुउद्देशीय प्लेटफॉर्म के रूप में तैयार किया गया है जो विभिन्न प्रकार के परीक्षण और

मूल्यांकन कर सके। देश में विकसित नए हथियारों और संवेदकों को नौसेना में इस्तेमाल करने से पहले उनके परीक्षण में यह पोत मदद करेगा। स्वदेशी उद्योग द्वारा विकसित प्रणालियों के परीक्षण और प्रशिक्षण के लिए भी इसका उपयोग किया जा सकेगा।

समुद्र में बदलती परिस्थितियों और नए तरह के खतरों के बीच इस पोत की उपयोगिता बढ़ जाती है। इसकी बहुउद्देशीय क्षमता नौसेना को अलग-अलग अभियानों और तकनीकी जरूरतों के अनुरूप

काम करने में मदद करेगी। इससे स्वदेशी रक्षा उपकरणों के विकास और उनके परीक्षण के लिए भी एक महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म उपलब्ध होगा।

‘समर्थक’ नाम का अर्थ है किसी कार्य को आगे बढ़ाने वाला या समर्थन देने वाला। नौसेना के मुताबिक, पोत को इसी भावना के अनुरूप कई तरह के समुद्री कार्यों के लिए तैयार किया गया है। यह समुद्री निगरानी और टोह लेने, तटीय क्षेत्रों से दूर समुद्र में गश्त करने तथा मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियानों में हिस्सा लेने में सक्षम है।

भारत-जिम्बाम्वे महिला टी-20 मैच को लेकर रायपुर में क्रिकेट प्रेमियों में जोश-उत्साह का हो रहा संचार

विश्व केसरी ■

रायपुर। रायपुर शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारत-जिम्बाम्वे महिला टी-20 के प्रथम मैच में लाखों की संख्या में क्रिकेट प्रेमी मैच का आनंद लेने के लिए पहुंचे हुए हैं। जहां जबरदस्त माहौल दिखाई दे रहा है। वही







पहले मैच को लेकर जिला प्रशासन ने भी सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए हैं।

मैच को देखने के लिए छत्तीसगढ़ के कई जिलों से तथा राज्य के बाहर से भी दर्शक पहुंचे हैं। यहां पर दोनों टीमों के बीच तीन मैच खेले जाने हैं। जिसमें सभी मैच रोमांच से भर होने वाले हैं।

अंडर-23 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप: कोमल ने जीता कांस्य, अमृता पुजारी फाइनल में पहुंचीं

विश्व केसरी ■

लास वेगास। भारतीय पहलवान कोमल ने शुक्रवार को अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में महिलाओं की 59 किलोग्राम वर्ग कुश्ती स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। कोमल ने ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में कजाकिस्तान की विक्टोरिया खुसैनोवा को 7-2 से हराया। उन्होंने अपने अभियान की शुरुआत कनाडाई पहलवान एला मैरी फाईडिंग को शिकस्त देकर की थी, जिसके बाद मोल्दोवा की मैडलिना प्रिसाकारी को 8-3 से हराया। हालांकि, उन्हें यूक्रेन की अलीना फिलिपोविच के खिलाफ 1-13 से हार का सामना करना पड़ा। लेकिन, ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में कोमल ने शानदार वापसी करते हुए देश के लिए



मेडल जीता।

दूसरी तरफ, अमृता पुजारी ने सेमीफाइनल में वेनजुअला की मात देकर महिलाओं के 72

से होगा।

वहीं, स्वीटी (53 किलोग्राम) और वैष्णवी पाटिल (65 किलोग्राम) अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले हारने के बावजूद 'रिपेचेज' के जरिए ब्रॉन्ज मेडल की दौड़ में बनी हुई हैं। 53 किलोग्राम वर्ग में, स्वीटी को अपने क्वार्टर फाइनल में क्रिस्टल रोड्रिगेज डोबलर के हाथों 2-11 से हार मिली। चूंकि, उनकी प्रतिद्वंद्वी फाइनल में पहुंच गई, इसलिए स्वीटी को 'रिपेचेज' के जरिए अपना अभियान जारी रखने का मौका मिल गया।

वहीं, वैष्णवी पाटिल का सामना जापान की हारुका कोबारा से होगा। इससे पहले, उन्हें अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में रूस की एकातेरिना कोशकिना से

‘टेक्निकल सुपरियरिटी’ के आधार पर हार का सामना करना पड़ा था।

भारत महिलाओं के 50 किलोग्राम, 55 किलोग्राम, 57 किलोग्राम और 62 किलोग्राम वर्ग में, तथा ग्रीको-रोमन शैली के 60 किलोग्राम, 67 किलोग्राम, 82 किलोग्राम, 97 किलोग्राम और 130 किलोग्राम भार वर्ग में अपने पहलवान नहीं उतार सका, क्योंकि उन्हें जीजा नहीं मिला। इसका कारण यह था कि उनकी उम्र 20 साल से कम थी और उनके पास कोई फुल-टाइम नौकरी नहीं थी।

गुरुवार को, विश्वजीत रामचंद्र मोरे ने अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में ग्रीको-रोमन वर्ग में भारत के लिए पहला रजत पदक जीता।

टॉप ऑर्डर में बदलाव के बिना वैभव सूर्यवंशी को मौका मिले: अभिषेक नायर



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत और वेस्टइंडीज के बीच टी20 सीरीज का पांचवां और आखिरी मुकाबला शनिवार को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाना है। सीरीज 2-2 से बराबरी पर है। ऐसे में यह मुकाबला निर्णायक है और दोनों टीमों इसे जीतकर ट्रॉफी अपने नाम करने की पूरी कोशिश करेंगी। भारतीय टीम मैनेजमेंट के सामने मैच जीतने के साथ-साथ यह भी चुनौती है कि युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में मौका दें या न दें। सूर्यवंशी को पिछले 4 मैचों में एक भी मैच खेलने को नहीं मिला है। भारतीय टीम के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर का मानना है कि वैभव सूर्यवंशी को वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें टी20 में मौका दिया जाए, लेकिन टॉप ऑर्डर में किसी तरह का बदलाव नहीं किया जाए। नायर ने गेंदबाजी में बदलाव की बात कही। अभिषेक नायर ने जियोहॉस्टर पर कहा, सूर्यवंशी के बारे में तभी सोचा जाना चाहिए जब भारत उन्हें ओपनर के तौर पर उनकी नैचुरल पोजीशन पर इस्तेमाल करने के लिए तैयार हो। उन्होंने कहा, ‘अगर वैभव सूर्यवंशी खेलते हैं, तो उन्हें उनकी सबसे मजबूत पोजीशन पर खेलना चाहिए, जो कि ओपनिंग है। अगर वह ओपनिंग करते हैं, तो जो नंबर 3 पर खेल रहा है, उसे अपनी सबसे मजबूत पोजीशन पर खेलना चाहिए। मैं वैभव सूर्यवंशी को बेंगलुरु में देखना चाहता हूँ, लेकिन मैं बॉलिंग में बदलाव करूंगा, बैटिंग में नहीं।’

रणजी ट्रॉफी: यशस्वी जायसवाल मुंबई की टीम से बाहर, अंगकृष रघुवंशी को मिली जगह

विश्व केसरी ■

मुंबई। मुंबई ने रणजी ट्रॉफी 2026-27 सीजन में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ होने वाले अपने दूसरे मुकाबले के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। मुंबई की टीम में बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल का नाम नहीं है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने हिमाचल प्रदेश के खिलाफ बिलासपुर में 18 से 21 अक्टूबर तक होने वाले मैच के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है। यशस्वी जायसवाल इस मैच का हिस्सा नहीं होंगे। दरअसल, यशस्वी को न्यूजीलैंड दौरे पर जाना है और भारत ए की तरफ से न्यूजीलैंड ए के खिलाफ खेलना है। न्यूजीलैंड में 24 अक्टूबर से इंडिया ए और न्यूजीलैंड ए के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज शुरू होने वाली है और यशस्वी तीन मैचों के लिए टीम इंडिया का हिस्सा हैं। यही वजह है कि वह रणजी ट्रॉफी के पहले मैच के बाद टीम से अलग हो गए। भारतीय सीनियर टीम को भी न्यूजीलैंड में दो टेस्ट मैचों की



सीरीज खेलनी है। यशस्वी इसका भी हिस्सा होंगे और इंडिया ए टीम के साथ खेलने के दौरान मिला अनुभव उनके लिए सीनियर टीम के मैचों के दौरान काम आएगा। यशस्वी की जगह युवा बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी को मुंबई की टीम में शामिल किया गया है। वहीं, सूर्याश शेडगे को भी मुंबई की टीम में शामिल किया गया है। पहले मैच में टीम के उपकप्तान आयुष म्हात्रे को चोट लगी थी और उसी वजह से वह टीम का हिस्सा नहीं हैं। यशस्वी जायसवाल ने मुंबई की तरफ से मौजूदा रणजी सीजन का पहला मुकाबला चंडीगढ़ के खिलाफ खेला था। यह मैच वानखेड़े स्टेडियम में हुआ था। मुंबई ने यह मुकाबला पारी और 155 रनों के बड़े अंतर से आसानी से जीता था, लेकिन यशस्वी का बल्ला इस मैच में नहीं चला था। वह अपनी एकमात्र पारी में बिना खाता खोले आउट हुए थे।

भुवनेश्वर कुमार वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें टी20 मैच के लिए भारतीय टीम में शामिल



विश्व केसरी ■

बेंगलुरु। वेस्टइंडीज के खिलाफ शनिवार को खेले जाने वाले टी20 सीरीज के पांचवें और अंतिम मुकाबले के लिए भुवनेश्वर कुमार को भारतीय टीम में शामिल किया है। सीरीज के चौथे मैच के दौरान अर्शदीप सिंह को चोट लग गई थी, जिसके बाद बोर्ड ने यह फैसला लिया है। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, ‘पुरुष चयन समिति ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें टी20 मैच के लिए भुवनेश्वर कुमार को भारतीय टीम में शामिल किया है। मौजूदा टी20 सीरीज का आखिरी मैच 17 अक्टूबर 2026 को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। बीसीसीआई ने आगे बताया कि अर्शदीप को अभी

पांचवें टी20 मैच से पूरी तरह बाहर नहीं किया गया है; हालांकि, उनके खेलने को लेकर फैसला मैच से ठीक पहले लिया जाएगा।

बीसीसीआई ने कहा, ‘बुधवार को हैदराबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के चौथे टी20 मैच के दौरान अर्शदीप सिंह के गेंदबाजी करने वाले कंधे पर चोट लग गई थी, जिसके बाद भुवनेश्वर कुमार को टीम में शामिल किया गया। आखिरी टी20 मैच में उनके खेलने पर फैसला, उनके ठीक होने की स्थिति को देखते हुए मैच से पहले लिया जाएगा।

राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए चौथे टी20 मैच में, बल्लेबाजी करते समय अर्शदीप के बाएं कंधे पर चोट लग गई थी।

रणजी ट्रॉफी: अरुणाचल प्रदेश की कप्तानी संभालेंगे नीलम ओबी

विश्व केसरी ■

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एआरसीए) में जारी प्रशासनिक संकट के कारण राज्य को अपना पहला मैच गंवाना (वॉकआउट देना) पड़ा था। अब बीसीसीआई की तरफ से नियुक्त तीन सदस्यीय चयन पैनल ने 15 खिलाड़ियों की टीम चुनी है, जिसमें नीलम ओबी को रणजी ट्रॉफी के अगले तीन मुकाबलों के लिए कप्तान बनाया गया है। कमशा यांगफो को उप-कप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि असम के पूर्व क्रिकेटर सुजय तरफदार हेड कोच की ज़िम्मेदारी संभालेंगे। दिल्ली के लिए दो फर्स्ट-क्लास मैच खेल चुके सलिल मल्होत्रा ? ? को गेस्ट प्लेयर के तौर पर टीम में शामिल किया गया है। पैनल ने कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी के पहले तीन मैचों के लिए भी 15 सदस्यीय अंडर-23 टीम चुनी है, जिसमें लेकी त्सेरिंग कप्तान और टेची टाडो उप-कप्तान होंगे। यह चयन ऐसे समय में हुआ है जब अरुणाचल क्रिकेट एसोसिएशन (एआरसीए) में काफी उथल-पुथल चल रही है। एसोसिएशन के दो गुटों के बीच कानूनी विवाद के कारण गुवाहाटी हाई कोर्ट (ईटानगर बेंच) में मामला चल रहा था, जिस वजह से राज्य की टीम अहमदाबाद में नागालैंड के खिलाफ अपना पहला मैच नहीं खेल पाई।



पिछले 17 वर्षों में रणजी ट्रॉफी में ऐसा पहली बार हुआ है जब किसी टीम को अपना मैच गंवाना पड़ा हो। इसके अलावा, राज्य की टीम वीनू मांकड़ ट्रॉफी और अंडर-19 महिला टी20 ट्रॉफी में भी हिस्सा नहीं ले पाई थी। ऐसे में, मौजूदा घरेलू सीजन में खिलाड़ियों के हितों को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई ने हस्तक्षेप किया और टीम चयन की प्रक्रिया को देखरेख की। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने मंगलवार को ‘आईएनएस’ को बताया कि असम के पूर्व क्रिकेटरस – सत्य गोपाल चक्रवर्ती, जयंत चौधरी और दीप बोराह की एक स्वतंत्र चयन समिति बनाई गई थी। सत्य गोपाल चक्रवर्ती को इस समिति का अध्यक्ष बनाया गया। इस समिति ने ईटानगर के दिल्ली पब्लिक स्कूल में खिलाड़ियों के ट्रायल लिए, ताकि रणजी ट्रॉफी, अंडर-23 कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी, सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी और विजय मर्चेंट ट्रॉफी के लिए खिलाड़ियों का चयन किया जा सके। बीसीसीआई एपेक्स कार्डसिल के सदस्य एमके खैरल जमाल मजूमदार को इन ट्रायल्स और चयन प्रक्रिया को संयोजक नियुक्त किया गया था। अब टीमों के साथ,

वुहान ओपन: जेलेना ओस्टापेंको ने डायना श्नाइडर को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

विश्व केसरी ■

वुहान। जेलेना ओस्टापेंको ने शुक्रवार को यहां डॉंगफेंग वीया सेंटर कोर्ट में वुहान ओपन के पहले क्वार्टर फाइनल में डायना श्नाइडर को 7-6 (6), 6-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। ओस्टापेंको को एक्शन से भरे पहले सेट में दो सेट पॉइंट बचाने पड़े और दूसरे सेट में 11वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराकर एक घंटे 37 मिनट में जीत दर्ज करने से पहले ब्रेक डाउन से उबरना पड़ा। दोहा में आखिरी चार में पहुंचने के बाद, यह 2026 में डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट्स में उनका दूसरा सेमीफाइनल है। 2017 के बाद वुहान में यह उनका दूसरा सेमीफाइनल भी है। लातविया की गैरवरीयता प्राप्त स्टार पहले सेट में 2-5 से पीछे थीं, क्योंकि उन्होंने एक महत्वपूर्ण छूटे गेम में अपनी सर्व गंवा दी थी। उन्होंने अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए स्कोर 3-5 किया, लेकिन उन्हें श्नाइडर की सर्विस तोड़नी पड़ी। इसके बाद ओस्टापेंको ने नौवें गेम में श्नाइडर की सर्विस पर एक सेट पॉइंट बचाया और फिर 10 मिनट के मैराथन गेम में अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए 5-5 से बराबरी कर ली। पहला सेट रोमांचक रहा, क्योंकि लातवियाई खिलाड़ी ने जोरदार विनर लगाए और टाई-ब्रेक 8-6 से जीत लिया। दूसरे सेट में ओस्टापेंको के लिए यह तुलनात्मक नबाक रिकम, नबाम जेश, गेमार ताइपोडिया, कनाक याकुप, योवा टोपू, नबाम रीकम, त्सेरिंग ताशी, चुबिंग चेगे।



जल्दी ही 5-1 हो गया, क्योंकि उन्होंने छठे गेम में रूसी खिलाड़ी की सर्विस तोड़ी और फिर अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए सिर्फ 29 मिनट में दूसरा सेट जीत लिया। उन्होंने मैच में 32 विनर लगाए, जबकि श्नाइडर ने आठ विनर लगाए। ओस्टापेंको ने सात ऐस भी लगाए, जबकि 11वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी एक भी ऐस नहीं लगा पाई। ओस्टापेंको ने 30 अनफोर्स्ड एरर भी किए और सेमीफाइनल में उन्हें सावधान रहना होगा।

विश्व केसरी ■
मुंबई। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने शुक्रवार को कहा कि भारत में सैटेलाइट संचार क्षेत्र के लिए बनाए गए नियम घरेलू और विदेशी सभी कंपनियों पर समान रूप से लागू होते हैं। कंपनी की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है जब एलन मस्क ने स्टारलिनक को भारत में मंजूरी मिलने में आ रही नियामकीय बाधाओं को लेकर सवाल उठाए हैं।
एक बयान में रिलायंस ने कहा, ‘हम सैटेलाइट कम्युनिकेशन क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा का स्वागत करते हैं, जिसमें स्टारलिनक भी शामिल है।’
कंपनी ने कहा, ‘जियो सहित हर कंपनी को भारत के लोगों की सेवा करनी है और देश के कानूनों तथा नीतियों का पालन करना है।’
रिलायंस ने अपने बयान में कहा, ‘हाल के दिनों में रिलायंस और भारतीय बाजार को लेकर की गई टिप्पणियों के मद्देनजर हम तथ्यों को स्पष्ट करना चाहते हैं। हर भारतीय कंपनी की तरह रिलायंस भी ऐसे भारत में विकसित हुआ है, जो निवेश और नवाचार का स्वागत करता है, चाहे वह देश में विकसित हो या विदेश से आए, बशर्ते उससे लोगों के जीवन में सुधार हो।’
कंपनी ने आगे कहा कि यह खुलापन कानून के शासन पर आधारित है। ‘भारत सरकार पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि वह भारतीय और विदेशी, सभी आवेदकों के लिए समान प्रक्रिया अपनाती है। जियो की अपनी सैटेलाइट सेवाएं भी अभी विभिन्न मंजूरियों का इंतजार कर रही हैं।’
रिलायंस ने कहा कि उसने कभी प्रतिस्पर्धा से डर महसूस नहीं किया है। उसने कहा, ‘हम इसे इस बात की सबसे बड़ी परीक्षा मानते हैं कि ग्राहकों की बेहतर सेवा कौन दे सकता है। जियो ने भी वर्ष 2016 में भारत के अत्यंत प्रतिस्पर्धी दूरसंचार बाजार में एक नए खिलाड़ी के रूप में प्रवेश किया था, जब उसके पास एक भी ग्राहक नहीं था।’
कंपनी ने आगे बताया कि केवल 10 वर्षों में जियो ने 53 करोड़ से अधिक ग्राहकों का विश्वास जीता है और भारतीयों को दुनिया के सबसे बेहतर डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तथा सबसे किफायती डेटा सेवाओं में से एक उपलब्ध कराई हैं।
उल्लेखनीय है कि स्टारलिनक को भारत में सैटेलाइट संचार सेवाएं उपलब्ध कराने का लाइसेंस

मिल चुका है, लेकिन वाणिज्यिक सेवाएं शुरू करने से पहले कंपनी को सुरक्षा संबंधी मंजूरियों और अन्य स्वीकृतियों की आवश्यकता है।

पिछले सप्ताह एलन मस्क ने स्टारलिनक के भारत में प्रवेश को लेकर अरबपति उद्योगपति मुकेश अंबानी पर निशाना साधा था। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्हें व्यंग्यात्मक रूप से ‘प्रिय प्रधानमंत्री अंबानी’ कहकर संबोधित किया और आरोप लगाया कि वे एकाधिकार बनाए रखना चाहते हैं तथा स्टारलिनक को प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति नहीं देना चाहते।

मस्क ने एक्स पर लिखा था, ‘प्रिय प्रधानमंत्री अंबानी, मुझे यह समझने में देर हुई कि भारत में वास्तविक फैसले लेने वाले आप हैं, इसके लिए मैं क्षमा चाहता हूं। उन्होंने आगे कहा, ‘स्वाभाविक रूप से आप भारत के लोगों पर अपना एकाधिकार बनाए रखना चाहेंगे, लेकिन क्या इसके बावजूद आप स्टारलिनक को प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति देंगे?’ हालांकि भारत सरकार पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि सैटेलाइट संचार क्षेत्र में सभी कंपनियों के आवेदनों की समीक्षा निष्पक्ष और गैर-भेदभावपूर्ण प्रक्रिया के तहत की जा रही है।

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। दुनिया में इतना अनाज पैदा होता है कि हर इंसान का पेट भरा जा सकता है, लेकिन इसके बावजूद करोड़ों लोग आज भी भूख का सामना कर रहे हैं। वहीं, बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी हैं, जो चाहकर भी पौष्टिक भोजन नहीं खरीद पाते। ऐसे में सवाल उठता है कि जब दुनिया में अनाज और खाद्य पदार्थों की कमी नहीं है, तो आखिर हर व्यक्ति की थाली तक पौष्टिक भोजन क्यों नहीं पहुंच पा रहा है?

इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने विश्व खाद्य दिवस के मौके पर नवाचार को बढ़ावा देने और खाद्य व्यवस्था को मजबूत बनाने का संदेश दिया है।

विश्व खाद्य दिवस का संदेश है, ‘आज नवाचार करें, कल को समृद्ध बनाएं।’ इसका उद्देश्य ऐसी व्यवस्थाओं को बढ़ावा देना है, जो आज लोगों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों को भी सुरक्षित रखें।

एफएओ के मुताबिक, दुनिया में लगभग 64 करोड़ लोग भूख का सामना कर रहे हैं, जबकि 2.69 अरब लोग पौष्टिक आहार खरीदने में असमर्थ हैं। संघर्ष, आर्थिक अस्थिरता और जलवायु परिवर्तन के कारण यह चुनौती और गंभीर हो रही है। ऐसे में केवल अधिक भोजन पैदा करना ही काफी नहीं है, बल्कि उसे सही तरीके से लोगों तक पहुंचाना भी जरूरी है। खाद्य व्यवस्था को

बेहतर बनाने में नवाचार की अहम भूमिका है। आज तकनीक की मदद से खेती, खाद्य पदार्थों के भंडारण, परिवहन और बाजार तक पहुंचने के तरीकों में बदलाव लाया जा सकता है। किसानों को डिजिटल माध्यम से मौसम, फसलों और खेती से जुड़ी जरूरी जानकारी दी जा सकती है। बेहतर बीज, नई कृषि तकनीक और पानी व जमीन का सही इस्तेमाल भी उत्पादन बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

इसके साथ ही पारंपरिक खेती के अनुभवों को आधुनिक विज्ञान से जोड़ना भी जरूरी है। किसान, मछुआरे, पशुपालक और वन क्षेत्रों में रहने वाले समुदाय अपने अनुभवों से खाद्य व्यवस्था को अधिक मजबूत बनाने में योगदान दे सकते हैं। खासतौर पर महिलाओं और युवाओं की भागीदारी इस दिशा में नए अवसर पैदा कर सकती है। भूख और कुपोषण से निपटना किसी एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं है। इसके लिए सरकारों, निजी कंपनियों, किसानों, वैज्ञानिकों और आम लोगों को मिलकर काम करना होगा।

सरकारें कृषि अनुसंधान में निवेश करके, ग्रामीण इलाकों में बुनियादी सुविधाएं बढ़ाकर और किसानों के लिए बेहतर नीतियां बनाकर मदद कर सकती हैं। वहीं, निजी क्षेत्र खाद्य आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने, रोजगार के अवसर पैदा करने और नए कारोबारी मॉडल विकसित करने में योगदान दे सकते हैं।

कमर दर्द से हैं परेशान? रोज करें कटिचक्रासन, मिलेगा जबरदस्त फायदा

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। दफ्तर में घंटों कुर्सी पर बैठकर काम करना, गलत खान-पान और शारीरिक गतिविधियों की कमी कमर और पेट समेत कई तरह की शारीरिक समस्याओं का घर बन जाती हैं। ऐसे में कटिचक्रासन एक सरल और प्रभावशाली आसन है। यह न केवल रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है बल्कि पाचन तंत्र को मजबूत करने और मन को शांत करने में भी मदद करता है।

संस्कृत में ‘कटि’ का अर्थ है कमर और ‘चक्र’ का अर्थ है पहिया या घुमाव, यानी कमर को घुमाने वाला आसन। यह आसन दिखने में जितना आसान है, इसके फायदे उतने ही प्रभावशाली होते हैं।

कटिचक्रासन सांस लेने की समस्याओं से लेकर पाचन संबंधी परेशानियों तक को दूर करने में बेहद कारगर माना जाता है। योग विशेषज्ञों के अनुसार, कटिचक्रासन एक आसान लेकिन प्रभावी आसन है। नियमित अभ्यास से कमर के आसपास मांसपेशियां मजबूत होने के साथ उनमें लचीलापन भी बढ़ता है और शरीर की गतिशीलता बनी रहती है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, कटिचक्रासन एक अत्यंत प्रभावी और सरल योगासन है। इस योगासन को कमर घुमाकर किया जाता है। यह रीढ़ की हड्डी के लचीलेपन को बनाए रखने का भी कार्य करता है। नियमित अभ्यास से रीढ़ की हड्डी के लचीले होने के साथ कमर, पीठ और कूल्हों की मांसपेशियों की स्ट्रेचिंग अच्छे तरह से होती है। साथ ही, पेट की मांसपेशियां भी सक्रिय होती हैं, जिससे पाचन तंत्र मजबूत होता है। अभ्यास से कमर दर्द, कंधों की अकड़न और थकान दूर होती है। शारीरिक और मानसिक तनाव को कम कर मन को तरोताजा करता है। योग विशेषज्ञों के अनुसार, कटिचक्रासन शरीर में प्राण शक्ति के प्रवाह को बेहतर बनाता है। इससे



मां दुर्गा के छठे स्वरूप से जुड़ा है ये औषधीय पौधा, सेहत के लिए है वरदान

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। नवरात्र के छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा-अर्चना की जाती है। मां कात्यायनी को शक्ति, साहस और ओज की देवी माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के साथ-साथ आयुर्वेद में भी इस दिन का विशेष महत्व बताया गया है। आयुर्वेद ग्रंथ मार्कंडेय पुराण के अनुसार, देवी दुर्गा के नौ रूपों का संबंध नौ दिव्य औषधियों से है। इसी क्रम में छठे दिन की अधिप्यत्री देवी मां कात्यायनी का संबंध पोई नामक औषधीय पौधे से जोड़ा जाता है, जिसे संस्कृत में उपोदिका कहा जाता है। पोई एक अत्यंत उपयोगी, जड़ी-बूटी है। यह सिर्फ एक साग नहीं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए वरदान है। यह स्वाद में मधुर, तासीर में शीतल, चिकनी, भारी, कफ और पित्त का नाश करने वाली, बल और वर्ण को बढ़ाने वाली तथा रुचि उत्पन्न करने वाली होती है।

वाजीकारक और त्रिदोषनाशक पोई का नाश करने वाली, बल और वर्ण को बढ़ाने वाली तथा रुचि उत्पन्न करने वाली होती है।

पोई की तासीर अत्यंत शीतल होती है। यह शरीर की आंतरिक गर्मी को शांत करती है। हाथ-पैरों में होने वाली जलन, पित्त विकार और एसिडिटी यानी अम्लपित्त की समस्या में यह बेहद लाभकारी है। यह पेट को अंदर से ठंडक पहुंचाती है। इसकी पत्तियों में प्राकृतिक चिकनाई और भरपूर मात्रा में फाइबर पाया जाता है। यह आंतों की सफाई करती है और पुरानी से पुरानी कब्ज को दूर करने में मददगार है। इसके सेवन से पेट के अल्सर में भी आराम मिलता है और पाचन क्रिया मजबूत होती है।

आयुर्वेद के अनुसार, पोई का सेवन मस्तिष्क की नसों को शांत करता है। यह तनाव, चिंता और अनिद्रा जैसी समस्याओं को दूर करने में प्रभावी है। जिन लोगों को नींद न आने की शिकायत है, उनके लिए यह एक प्राकृतिक औषधि के रूप में काम करती है। पोई में आयरन, कैल्शियम, विटामिन ए, विटामिन सी और फोलेट प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।



परिवृत बद्ध पार्श्वकोणासन क्या है? जानिए फायदे और सावधानियां

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। भारतीय योग परंपरा में शारीरिक लचीलापन, मानसिक एकाग्रता को एक साथ साधने वाले आसनों में ‘परिवृत बद्ध पार्श्वकोणासन’ का विशेष स्थान है। यह आसन मुख्य रूप से रीढ़ की हड्डी के ट्विस्ट और हाथों की बंध स्थिति का एक अनूठा संगम है। यह आसन पार्श्वकोणासन का ही एक अधिक चुनौतीपूर्ण और लाभकारी रूप है।

संस्कृत में ‘परिवृत’ का अर्थ है घूमा हुआ, ‘बद्ध’ का अर्थ है बंधा हुआ और ‘पार्श्वकोण’ का अर्थ है बगल का कोण। इस आसन में शरीर को एक तरफ घुमाते हुए गहरा बंध लगाया जाता है, जो शरीर को एक नया आकार और ऊर्जा देता है। यह न सिर्फ शरीर के निचले हिस्से (पैरों और जांघों) को मजबूती प्रदान करता है, बल्कि पाचन तंत्र की गहरी मालिश कर शरीर को अंदर से डिटॉक्सिफाई (विषमुक्त) करने में भी सहायक होता है।

शारीरिक लाभ: रीढ़ की लचीलापन, पार्श्वकोणासन का ही एक अधिक चुनौतीपूर्ण और लाभकारी रूप है।

मानसिक लाभ: ध्यान, शरीर को एक नया आकार और ऊर्जा देता है। यह न सिर्फ शरीर के निचले हिस्से (पैरों और जांघों) को मजबूती प्रदान करता है, बल्कि पाचन तंत्र की गहरी मालिश कर शरीर को अंदर से डिटॉक्सिफाई (विषमुक्त) करने में भी सहायक होता है।

सावधानियां: गर्भवती, पीठ दर्द, रीढ़ की हड्डी के किसी भी प्रकार के चोटिल होने वाले लोगों को इस आसन का अभ्यास नहीं करना चाहिए।

Network Computers

Wholesale & Retail Shop
कंप्यूटर से जुड़ी हर जरूरत का एक ही नाम...

LAPTOP **DESKTOP** **PRINTER**

CCTV CAMERA **NETWORKING** **INTERACTIVE PANEL** **ACCESSORIES**

GENUINE PRODUCTS **EXPERT SERVICE SUPPORT** **BEST PRICES** **BUSINESS & BULK SUPPLY** **GOVT. ORDERS (Gst SUPPLY)**

Shop No. FF-30 (1st Floor), Millennium Plaza, Banstall Road, Raipur (C.G.)
9329100386 07714095051
narad_nishad@rediffmail.com

DR. PRAJWAL SONI
M.B.B.S., M.D. Obstetrics & Gynaecologist
colposcopist
Laparoscopic Surgeon & Infertility Specialist

Mo. 9827189170 9200668168

Soni Multispeciality Hospital and Maternity Home

Bade Urla, Raipur Road, Abhanpur (C.G.) 911677722
Amapara, Pitaiband Road, Rajim, Garivaband (C.G.) 7509007388
drprajwalsoni@gmail.com

कृषि हो या निर्माण क्वालिटी और मजबूती हमारी पहचान - वीनस मशीनरी

पावर वीडर, पैलेट मशीन, चाफ कटर, आटा चक्की, ट्रॉली, कंक्रीट मिक्सर, वाटर टेकर, डेटरी स्पेयर, स्पेयर

निर्माण कार्य कृषि कार्य ग्रामीण क्षेत्र उद्योग एवं प्रोसेसिंग

सिंचाई एवं बागवानी किसानों हेतु उपयुक्त

निर्माता व विक्रेता:
वीनस मशीनरी
विश्वकट बरत (अग्ररक्षक)

एफ-1, महिंद्रा शोरूम के बाजू में मेनरोड, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.)
फ़ोन : 0771-3149312, मो. : 9343500569, 9516906000

लक्ष्मी इलेक्ट्रानिक

एसी, फ्रीज, कूलर, अलमारी, टीवी

सस्ते दामों में उपलब्ध

पुराना एसी लाईये, नया ले जाईये
बजाज फाईनेस की सुविधा उपलब्ध

गौंदवारा रोड गुडियारी रायपुर मो.-93004-92401

RAIPUR SMART BUSINESS

GST फाइल बनवाएं मात्र 500/-
25 वर्ष का अनुभव

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।

संपर्क: शेखर गुप्ता RIFCO Tax Consultants
C-74, सेक्टर- 1, जुबेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर

Whatsapp पर बनवाएं 9300755544, 8878655544

Noorjaha Prime

DINING • BUFFET • ROOFTOP • LIVE BARBEQUE KITCHEN

City Kotwali Road, Baijnathpara. Raipur.
83700 09993

:H.O.:
Madarsa Road Baijnathpara, Raipur.
Mobile: 83700 09994

:OUTLETS:
Marine Drive, Telibandha, Raipur
Mo: 83570 09997



श्री साई केयर हॉस्पिटल

शिव मंदिर के पास, अंबती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.)

आपके स्वास्थ्य का भरोसा...



महीने के प्रत्येक सोमवार को फ्री ओपीडी
समय : शाम 6 बजे से 8 बजे तक

मेडिसिन विभाग

डॉ. जयकुमार पटेल
मेडिसिन एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ
(M.D. Medicine, Diabetology & Geriatric Care)

उपचर्य सेवाएँ:

- हाइड्रोथोरैक्स (प्यूरीफ) उपचार
- हाई प्रेशर उपचार (उपचर्य सेवाएँ)
- शायरिडन विकार
- हाई डिजिटल (हृदय संबंधी समस्याएँ)
- विषर व फिक्सी रोग
- फेफड़ों की समस्याएँ (अस्थमा, COPD)
- कुष्ठर व ट्यूबरकुल (सायरस, ट्यूबरकुल)
- पेट की समस्याएँ (रोग, अपच, एसिडिटी)
- सामान्य रोगों की जांच व उपचार
- न्यूरोलॉजिकल समस्या (हिर वर, डीरे आदि)

जनरल सर्जरी विभाग

डॉ. वी.पी. सिंह
जनरल सर्जरी विशेषज्ञ
(M.S. General Surgery)

उपचर्य सेवाएँ:

- पायलस (किरीडी) का अपरेशन
- विषर और फिक्डस का उपचार
- हडिया सर्जरी (हंड्रगल / कोमोन / हाइड्रोसेली)
- एपेंडिसा (Appendicitis) सर्जरी
- सायरीडि सर्जरी
- गोन कोनर स्टोन (पित की पथरी) का अपरेशन
- वेस्ट लोवर / ट्यूबर सर्जरी
- विषर / फिक्डस फिक्डस
- हाइड्रोसेली / वरिक्कोसी सर्जरी
- लेजर एवं स्टेपलर की सहायता से पायलस का हटाना

कैंसर रोग विभाग

डॉ. अखिलेश साहू
कैंसर रोग विशेषज्ञ
(MD. Clinical Oncologist)

उपचर्य सेवाएँ:

- किरोकोमेरी
- टायटेड केरी
- हार्मोन थेरेपी
- विशेष कीमती औषधि-अप
- कैंसर की काउंसलिंग
- वर्क व साइड इफेक्ट प्रबंधन
- पेशा व सामाजिक सहाय
- कैंसर की जांच व निदान

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

आपका स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण है, यमस पर जांच जीवन बचा सकती है।

शिविर विभाग

डॉ. जयकुमार पटेल
मेडिसिन एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ
(M.D. Medicine, Diabetology & Geriatric Care)

- Breast Thermography Screening Test
- सामान्य स्वास्थ्य परीक्षा
- विशेष कीमती औषधि
- अपरीक जांच एवं आसक्त नमूने

कैंसर रोग विभाग

डॉ. अखिलेश साहू
कैंसर रोग विशेषज्ञ
(MD. Clinical Oncologist)

- Prostate Cancer Test
- समय पर उपचार से जीवन
- कीमती औषधि
- पुष्टि, मोडिफाई एवं कैंसर जांच

कान, नास, गंध विभाग

डॉ. वी.पी. सिंह
कान, नास, गंध विशेषज्ञ
(M.D. ENT)

- 24 घंटे अलग शिविर
- कान, नास, गंध रोगों का उपचार
- 24 घंटे अलग शिविर
- 24 घंटे अलग शिविर
- 24 घंटे अलग शिविर

श्री साई केयर हॉस्पिटल
771-4020089
96300-67422

एक स्वस्थ भविष्य की ओर कदम बढ़ाएँ, आपका स्वास्थ्य ही आपकी सबसे बड़ी गति है।

नक्सलमुक्त बस्तर में बह रही आस्था की बयार

एसपी सिन्हा परिवार के साथ पहुंचे मां दंतेश्वरी के दरबार में

विश्व केसरी

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। नक्सल मुक्त बस्तर में अब अमन के साथ आस्था की भी बयार बहने लगी है। संभाग के देवी धामों में दर्शनार्थियों की संख्या बेतहाशा बढ़ गई है। लोग भयमुक्त होकर देवी मां के दरबारों में पहुंच रहे हैं। वहीं गांव गांव में मातारानी की प्रतिमा स्थापित कर ग्रामीण आराधना में जुटे हैं। मतांतरण गतिविधियों पर विराम लगने के बाद ग्रामीणों में आस्था का पुनर्जागरण हुआ है और सनातन की लहर चल पड़ी है। वहीं पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी मातारानी के दरबार में हाजिरी लगाने पहुंच रहे हैं। इसी क्रम में बस्तर पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा भी अपने परिवार के साथ माई दंतेश्वरी के दर्शन करने पहुंचे। उन्होंने सपलीक दर्शन कर रथ परिक्रमा का भी दीदार किया।

बस्तर कभी धार्मिक जागरण का केंद्र रहा है। यहां के प्रकृति पुजारी आदिवासी भगवान भोलेनाथ और मां अंबे के उपासक रहे हैं। बस्तर संभाग के दंतेश्वरी स्थित माई दंतेश्वरी का धाम, बारासूर की पहाड़ी की चोटी पर स्थापित पाषाण निर्मित एशिया की सबसे बड़ी गणेश प्रतिमा, जगदलपुर का दंतेश्वरी मंदिर, सुकमा जिले रामाराम स्थित श्रीराम मंदिर, कांकेर स्थित कंकालीन माता मंदिर इस प्राचीन आस्था के जीवंत प्रमाण हैं। नक्सलियों के साथ ही मिशनरी ने भी इस आस्था को



कुचलने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। नक्सलियों ने बारासूर की ऐतिहासिक और अति प्राचीन प्रतिमा को गिरा दिया था। वहीं मिशनरी ने धर्मांतरण का ऐसा कुचक्र चलाया कि सनातनी आस्था लगभग तहस नहस हो गई थी। स्थानीय लोगों को उनकी आस्थासे विमुख कर दिया गया। गणेश पूजा, दुर्गा पूजा और पारंपरिक तीज त्यौहार मनाने पर बंदीशें लगाई जा रही थीं। लाउड स्पीकर से गणेश पूजा और दुर्गा पूजा न मनाने के लिए कहा जाता था। सरकारें बदली, नक्सलवाद का खाल्टा हुआ और धर्मांतरण गतिविधियों पर भी विराम लग गया। धर्म से विमुख हो चुके लोग स्वस्मृत होकर मूल धर्म में लौटने लगे हैं।

अब पूरे बस्तर में सनातन और स्थानीय परंपराओं तथा धार्मिक आस्था के पुनर्जागरण का दौर चल पड़ा है। लोग देवी देवताओं की शरण में लौट आए हैं। दंतेश्वरी के प्रसिद्ध देवी धाम दंतेश्वरी मंदिर में इस बार की नवरात्रि के दौरान अपेक्षाकृत अपार भीड़ उमड़ रही है। पदयात्रियों की संख्या में भी अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। दूर दूर के गांवों से हजारों श्रद्धालु के नंगे पांव चलकर माई दंतेश्वरी का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। नक्सल घटनाओं के चलते पुलिस और प्रशासन के जो अधिकारी चिंता में घुलते रहते थे, वे भी अब बेफिक्र होकर मातारानी के दर्शन के लिए पहुंचने लगे हैं। बीती रात बस्तर के पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा ने अपनी धर्मपत्नी और बेटिया के साथ जगदलपुर स्थित मां दंतेश्वरी के दरबार में पहुंच कर मत्था टेका। सिन्हा दंपति ने मातारानी से बस्तर में शांति बनाए रखने की कामना की। श्री और श्रीमती सिन्हा ने रथ परिक्रमा का भी जायजा लिया। इस दौरान श्री सिन्हा अपनी नन्ही बेटिया को कंधे पर बिठाए नजर आए। जिले के सबसे बड़े पुलिस अधिकारी को एक आम नागरिक की तरह अपने बीच पाकर अन्य श्रद्धालु हैरत में पड़ गए। कई लोगों ने अपने मोबाइल फोन के कैमरे में इस दृश्य को कैद भी किया। कुल मिलाकर ये सारे नजारे साबित करते हैं कि सुशासन सरकार में अब सब कुछ कुशल मंगल है।

मां दुर्गा के दरबार में करपावंड के सरपंच लखमू राम नेताम ने लगाई हाजिरी

विश्व केसरी

बकावंड (अर्जुन कुमार झा)। विकासखंड बकावंड की ग्राम पंचायत करपावंड के सरपंच लखमू राम नेताम के नेतृत्व में 17 ग्रामीणों का जत्था मंगलवार को प्रसिद्ध धार्मिक स्थल करपावंड मां दुर्गा मंदिर दर्शन करने पहुंचा। सरपंच सहित सभी ग्रामीणों ने मां दुर्गा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर गांव में सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। दर्शन यात्रा में प्रमुख रूप से माधवलाल सोने-चांदी सेट, जयराम



देवांगन, कमल कश्यप, सरपंच लखमू राम नेताम, पंडित संतोष आचार्य, गुलेश्वर देवांगन, सुनील कुमार कश्यप, रामलखन देवांगन, युवराज कश्यप, मनिराम बघेल, लोकनाथ देवांगन, फगटू राम बघेल, कोडीराम भारती, मगराम नेताम, रामदेव नाग, सुबधन बघेल और लखुराम देवांगन शामिल रहे।

राष्ट्रीय जनगणना में ओबीसी के लिए अलग कॉलम जोड़ने की मांग तेज

विश्व केसरी

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। राष्ट्रीय जनगणना में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए पृथक कॉलम जोड़े जाने की मांग को लेकर ओबीसी महासभा छत्तीसगढ़ ने अपना अभियान तेज कर दिया है। इसी कड़ी में बुधवार को बस्तर जिला इकाई द्वारा बस्तर तहसीलदार के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन सौंपकर आगामी जनगणना 2027 को समावेशी, पारदर्शी और सटीक बनाने की मांग की गई है। यह ज्ञापन ओबीसी महासभा छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम साहू के



निर्देशन, संभाग अध्यक्ष दिनेश यदु के मार्गदर्शन एवं संभागीय सचिव दिलेश्वरी ठाकुर के नेतृत्व में सौंपा गया। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने विस्तार से अपनी मांगों को रखा। ज्ञापन में प्रमुख रूप से मांग की गई है कि वर्ष 2027 में होने वाली राष्ट्रीय जनगणना में ओबीसी वर्ग का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाए और इसके लिए जनगणना प्रपत्र में अलग कॉलम की व्यवस्था की जाए। साथ ही जातिवार गणना के लिए राज्यवार जातियों की सूची और डिजिटल प्रणाली में ड्राइप-डाउन विकल्प उपलब्ध कराया जाए, ताकि जनगणना के दौरान गलत वर्गीकरण, नाम में त्रुटि और

आंकड़ों में गड़बड़ी की आशंका को पूरी तरह समाप्त किया जा सके। महासभा का कहना है कि अब तक जनगणना में ओबीसी वर्ग के आंकड़ों का स्पष्ट उल्लेख नहीं होने से इस वर्ग की वास्तविक जनसंख्या का सही आकलन नहीं हो पाता है। महासभा के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि ओबीसी की वास्तविक जनसंख्या के सटीक आंकड़े सरकार के पास उपलब्ध होंगे तो इससे शिक्षा, रोजगार, आरक्षण, कल्याणकारी योजनाओं और सरकारी संसाधनों के उचित एवं न्यायपूर्ण आवंटन में बड़ी मदद मिलेगी।

पुलिस ने ग्राम चिन्नागेलूर में आयोजित किया सिविक एक्शन कार्यक्रम

विश्व केसरी

बीजापुर (नवीन दुर्गम)। जिले के थाना तंरम क्षेत्रांतर्गत ग्राम चिन्नागेलूर में बीजापुर पुलिस द्वारा सिविक एक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीणों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करना, उनकी आवश्यकताओं को समझना तथा क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और विकास को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक बीजापुर उमेश प्रसाद गुप्ता एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) रविन्द्र कुमार मीणा ने ग्रामीणों को साड़ी, बच्चों के कपड़े, खेल सामग्री किट, चरण पादुका सहित अन्य आवश्यक उपयोगी सामग्रियों का वितरण किया। वहीं, बच्चों को चॉकलेट एवं बिस्किट भी बांटे गए।



ग्रामीणों से किया संवाद, समस्याओं की ली जानकारी – कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों से मुलाकात कर गांव के विकास, स्थानीय समस्याओं और उनकी आवश्यकताओं के संबंध में चर्चा की। अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनते हुए क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं आपसी सहयोग बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। आत्मसमर्पित व्यक्तियों को मुख्यधारा से जुड़ने के लिए किया

प्रोत्साहित – इस अवसर पर ग्राम में निवासरत आत्मसमर्पित व्यक्तियों से भी मुलाकात की गई। पुलिस अधिकारियों ने उन्हें समाज की मुख्यधारा में रहकर आपसी मेल-मिलाप, भाईचारे और सद्भाव के साथ जीवनयापन करने के लिए प्रोत्साहित किया। संवाद से विवादों का समाधान करने की अपील – कार्यक्रम के दौरान धर्मांतरण से संबंधित विवादों पर भी ग्रामीणों को समझाइश दी गई। पुलिस

अधिकारियों ने आपसी संवाद, समझ और शांतिपूर्ण तरीके से विवादों का समाधान करने तथा किसी भी प्रकार के विवाद को बढ़ावा नहीं देने की अपील की। साथ ही गांव में सामाजिक सद्भाव, पारस्परिक विश्वास और शांति बनाए रखने पर जोर दिया गया। जनविश्वास मजबूत करने की दिशा में पहल – बीजापुर पुलिस द्वारा सिविक एक्शन कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीणों के साथ बेहतर संबंध स्थापित करने, उनकी जरूरतों को समझने और समस्याओं को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे कार्यक्रमों के जरिए पुलिस और ग्रामीणों के बीच विश्वास मजबूत करने के साथ ही क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं विकास का वातावरण सुदृढ़ करने की दिशा में पहल की जा रही है।

चारामा में नवरात्रि की धूम, समता रंग मंच गांधी मैदान में विराजमान हुई मां दुर्गा

विश्व केसरी

चारामा (संदीप मेश्राम)। नगर चारामा में शारदीय नवरात्रि पर्व को लेकर भक्तिमय माहौल बना हुआ है। नगर के गांधी मैदान स्थित समता रंग मंच में प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की जाती है। यहां एक ही स्थान पर माता रानी के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं और पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। नवरात्रि के अवसर पर समता रंग मंच गांधी मैदान में आकर्षक साज-सज्जा की जाती है। माता रानी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिलता है। सुबह-शाम पूजा-अर्चना और आरती के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहता है। मां दुर्गा की भक्ति और आस्था से सराबोर चारामा नगर में नवरात्रि पर्व श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया जाता है। समता रंग मंच गांधी मैदान में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा नगरवासियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहती है।



स्वाधिकाारी गडबक्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड लाहौर रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहना बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गांधी नगर, शंकर नगर जयप्राथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी)। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होना।) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakasari2026@gmail.com,आए.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251